संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 189
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

दवाओं की बिक्री बढ़ाने के लिए डॉक्टरों को महंगे तोहफे देने पर लगेगी रोक

•सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी बनाने का दिया आदेश

• केंद्र सरकार को इस आदेश पर की गई कार्रवाई को लेकर कोर्ट में हलफनामा दाखिल करना होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली । दवाओं की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए फार्मा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को महंगे तोहफे और सुविधाएं देने की प्रथा पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक विशेष कमेटी का गठन करने और उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। यह मामला फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएमआरएआई) की ओर से दायर की गई याचिका से जुड़ा है। यह याचिका साल 2021 में दायर की गई थी। याचिका में मांग की



गई थी कि दवाओं की बिक्री बढ़ाने के लिए डॉक्टरों को उपहार देने वाली दवा कंपनियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए और इस अनैतिक मार्केटिंग प्रैक्टिस पर सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कई दवा कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए डॉक्टरों को महंगे गिफ्ट, विदेश यात्रा, कैश और अन्य सुविधाएं देती हैं, जिसके कारण मरीजों को महंगी और कई बार गैर जरूरी दवाएं लिखी जाती हैं। इससे सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य और जेब पर असर पड़ता है। इस मामले पर पिछली सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट से इस मुद्दे पर नियम बनाने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। केंद्र ने कहा था कि वह इस मामले में एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार एक कमेटी बनाए। इस कमेटी का मुख्य काम दवा कंपनियों द्वारा की जाने वाली गलत और अनैतिक मार्केटिंग को रोकने के लिए कानूनी नियम बनाने को लेकर अपने सुझाव देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार एक कमेटी का गठन करेगी, जो दवा कंपनियों की मार्केटिंग प्रैक्टिस को रेगुलेट करने के लिए सुझाव देगी। इसके साथ ही यह कमेटी डॉक्टरों को महंगे गिफ्ट या अन्य फायदे देने जैसी अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए कानूनी प्रावधानों पर अपनी सिफारिशें तैयार करेगी और कमेटी इस मुद्दे पर आम लोगों, विशेषज्ञों और संबंधित संस्थाओं द्वारा दिए गए।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की मां के निधन पर राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने जताया शोक

हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन तथा उनके समस्त परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।'

एजेंसी

नई दिल्ली । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से उनके कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया, 'रूपी सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। जनजातीय समाज के लोगों के सशक्तीकरण और कल्याण के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन तथा उनके समस्त परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'रूपी सोरेन के निधन से बहुत दुख हुआ है। उन्होंने सदैव जनजातीय समुदायों के सशक्तीकरण के लिए कार्य किए। शोक की इस घड़ी में हेमंत सोरेन, कल्पना और उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। हेमंत सोरेन एवं उनके शोकाकुल परिवारजनों को इस अपूरणीय व्यक्तिगत दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें, यही कामना है। ' छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पूज्य माता रूपी सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारजनों को इस कठिन समय में दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। '



उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने लिखा, 'झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक-संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। ' दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। वाहे गुरुजी दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं समस्त शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। '

मुस्लिम लड़कों का गरबा में जाना हराम, अपनी पहचान का करें सम्मान : नदवी

भोपाल । नवरात्रि का पर्व करीब है और हर तरफ गरबा की तैयारी चल रही है। इन आयोजनों में मुस्लिम युवक भी हिस्सा लेते हैं। भोपाल के मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने मुस्लिम लड़को से गरबा में शामिल न होने की अपील करते हुए कहा कि इस आयोजन में शामिल होना हराम है। सोशल मीडिया पर जारी हुए एक वीडियो में मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने कहा है कि मुस्लिम युवाओं का दूसरी कौम के धार्मिक त्योहार या रस्म में शामिल होना जायज नहीं है, जो व्यक्ति दूसरी कौम के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, वह उसी के तौर तरीके में शामिल माना जाता है । मुफ्ती ने सवालिया अंदाज में कहा कि आज के दौर में जो गरबा या हिंदू रस्म होती है उसमें मुस्लिम लड़कों का शिरकत करना जायज है? बस इतना ही कहूंगा कि यह हराम है । मुफ्ती ने मुस्लिम समाज के लड़कों को सलाह दी है और कहा है कि कुछ मुस्लिम युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं लेकिन उन्हें इससे बचना चाहिए क्योंकि दूसरी कौम की धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण करना उचित नहीं है।

मशहूर भारतीय अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

पणजी (गोवा)। भारतीय सिनेमा के वरिष्ठ और मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं रहे। 75 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार तड़के दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। गोवा के पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए जाने के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल (मणिपाल अस्पताल) ले जाया गया।

स्मृतिशेष अभिनेता नाना पाटेकर के पुत्र मल्हार और मणिपाल अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शेखर सालकर ने इसकी पुष्टि की। डॉ. सालकर ने बताया कि उन्हें बचाने के लिए करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।



ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर को सुबह लगभग 5:10 बजे मृत घोषित कर दिया गया। उनके निधन के बाद मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया। अब पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

'नाना पाटेकर का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा,

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा, 'आज सुबह ही एक खबर आई है कि मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं रहे। वे एक बेहतरीन कलाकार थे, जिन्होंने अलग-अलग किरदारों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीता। नाना पाटेकर का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा। वो बंधनों में नहीं रहे, परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े। ' पीएम मोदी ने आगे कहा, 'उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार किया। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी। वो देशविरोधियों पर निरंतर अंकुश के समर्थक थे। '

नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने जताया दुख, कहा- भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दुख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया। इसके साथ उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर ने फिल्मों में ऐसे कई किरदार निभाए, जिन्होंने लोगों के दिलों और दिमाग पर एक अलग छाप छोड़ी है। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से गहरा दुख हुआ है। अपनी दमदार और दिल को छू लेने वाली अदाकारी से उन्होंने इंसानी अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला को जीवंत किया। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए जिन्होंने लोगों के दिलों और दिमाग पर गहरी छाप छोड़ी। समाज सेवा के प्रति उनका समर्पण वंचितों के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता था। उनका निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति है। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।'' उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, ''एक बहुमुखी और बेहद प्रतिभाशाली कलाकार के तौर पर, उन्होंने अपने निभाए हर किरदार में अद्भुत गहराई, संवेदनशीलता और सच्चाई का समावेश किया। भारतीय सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर नाना पाटेकर जी आने वाली पीढ़ियों के सिनेमा प्रेमियों को प्रेरित करते रहेंगे और हमेशा उनके दिलों में बसे रहेंगे।

राष्ट्रपति व अन्य ने 94वें वायुसेना दिवस पर सैनिकों को दी बधाई

'भारतीय वायु सेना की वीरता, पेशेवर रवैया और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा देश की संप्रभुता की रक्षा करती है'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने गुरुवार को 94वें वायु सेना दिवस पर वायु योद्धाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई दी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, भारतीय वायु सेना ने अपनी कुशलता, अनुशासन और तैयारी के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए देश की बेहतरीन सेवा की है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हमारे एयर वॉरियर्स के साहस, सटीकता और ऑपरेशनल तैयारी को साबित किया। उन्होंने आपदाओं और मानवीय संकटों के समय भी बहुमूल्य सहायता प्रदान की है। उनका समर्पण देश के लिए प्रेरणा और गर्व का स्रोत बना हुआ है। भारतीय वायु सेना सेवा और उत्कृष्टता की अपनी गौरवशाली परंपरा को इसी तरह बनाए रखे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारतीय वायु सेना की वीरता, पेशेवर रवैया और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा देश की संप्रभुता की रक्षा करती है और देश को प्रेरित करती है। मानवीय सहायता और आपदा राहत में इसकी भूमिका, संकट के समय मानवता की सेवा करने के इसके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। भारतीय वायु सेना नई ऊंचाइयों को छूती रहे और देश की सेवा में सदैव तत्पर रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर साझा वीडियो में कहा कि आसमान की बातें तो निराली होती ही हैं। इसमें कोई आश्चर्य



नहीं है कि आसमान में अपनी शक्ति का परिचय देकर के भारतीय वायुसेना ने हर देशवासी का ध्यान अपनी ओर खींचा है, सुरक्षा का एहसास दिलाया है। बीते दशक में वायु सेना सहित देश की सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ प्रौद्योगिकी पहुँची है। भारत की वायुसेना अब सिर्फ़ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो रही है। ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक क्षण भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अपने गौरवशाली इतिहास में वायु सेना ने साहस, अनुशासन, शौर्य और अदम्य संकल्प की ऐसी मिसालें कायम की हैं, जो हर भारतीय को गर्व से भर देती हैं। युद्ध के मोर्चे से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों तक, देश के आकाशवीरों ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है। आज भारतीय वायु सेना आधुनिक तकनीक, स्वदेशी क्षमताओं और नवाचार के साथ भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय वायु सेना साहस, वीरता, अनुशासन और पेशेवर रवैये का प्रतीक है। अटूट संकल्प के साथ, वायु योद्धाओं ने हमेशा देश के आसमान की रक्षा की है और जब भी देश पर कोई संकट आया है, वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके समर्पण और सेवा ने न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूत किया है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामूहिक संकल्प की भावना को भी बहुत बढ़ावा दिया है।

नाना पाटेकर के निधन पर गडकरी बोले-

'वे करीबी दोस्त थे, परिवारों के बीच रहे अच्छे संबंध', कई और नेताओं ने जताया दुख

एजेंसी

मुंबई । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत महाराष्ट्र के कई नेताओं ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने नाना पाटेकर को याद करते हुए उनके साथ अपने रिश्तों की बात की। गडकरी ने कहा कि सामाजिक चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता उनके व्यक्तित्व की खास खूबियां थीं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'वे मेरे बहुत करीबी दोस्त थे और हमारे परिवारों के बीच कई सालों से अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने किसानों, जल संरक्षण और किसान आत्महत्या से प्रभावित लोगों के लिए बहुत संवेदनशीलता के साथ काम किया। सामाजिक चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता उनके व्यक्तित्व की खास खूबियां थीं।' गडकरी ने कहा कि हिंदी और मराठी सिनेमा में उनके काम को हम कई सालों तक याद रखेंगे। वे एक सीधे-सादे और स्पष्ट बोलने वाले इंसान थे, जो हमेशा लोगों की मदद करते थे और समाज के पिछड़े और हाशिए पर रहने वाले वर्गों, किसानों और गरीबों के प्रति संवेदनशील थे। केंद्रीय



मंत्री ने कहा, 'उनका निधन हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। कारगिल युद्ध के दौरान, नाना वर्दी पहनकर वहां भी पहुंचे थे। कई मौकों पर उन्होंने हमारे सैनिकों की बहादुरी के प्रति सम्मान और अपनी देशभक्ति का परिचय दिया। '

बदलती युद्ध परिस्थितियों में हर चुनौती के लिए तैयार है एयरफोर्स : वायुसेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना गुरुवार को अपनी स्थापना की 94वीं वर्षगांठ मना रही है। हिंडन एयरबेस पर आयोजित भव्य परेड समारोह में वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा कि यह दिन केवल गौरवशाली इतिहास को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का भी समय है। उन्होंने वायु योद्धाओं से उस शपथ को याद करने का आह्वान किया, जो उन्होंने वायुसेना की वर्दी पहनते समय ली थी। एपी सिंह ने पिछले वर्ष हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय वायुसेना की तेजी से युद्ध अभियानों में उतरने की क्षमता देखी। इस अभियान के दौरान वायुसेना की प्रहार क्षमता और प्रभावी वायु रक्षा अभियानों को भी देखा गया। उन्होंने कहा कि वायुसेना का संकल्प और ताकत केवल शब्द नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक क्षमता का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता भारतीय वायुसेना का मार्गदर्शक सिद्धांत है। तेजस हल्का लड़ाकू विमान, उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान, प्रशिक्षक विमान, ध्रुव और प्रचंड हेलीकॉप्टर, अस्त्र मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी प्रणालियां इसी संकल्प का परिणाम हैं। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 1932 में केवल चार विकर्स विमानों के साथ शुरू हुई भारतीय वायुसेना आज एक सक्षम, नेटवर्क आधारित और बहुआयामी शक्ति के रूप में दुनिया की श्रेष्ठ वायु सेनाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह सफर दृढ़ संकल्प, साहस, नवाचार और सर्वोच्च बलिदानों से बना है।

काशी को बनाना है आईटी हब, युवा जॉब सीकर नहीं जॉब गिवर बनें : नितिन नवीन

नितिन नवीन बोले- युवाओं के सुझाव और दिशा से बनेगा उत्तम प्रदेश

एजेंसी

वाराणसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने दो दिवसीय काशी दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद ताज होटल में विशिष्टजनों के साथ बनारसी जलेबी-कचौड़ी का स्वाद लिया। इसके बाद वह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययनपीठ में आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने जेन-जी के युवाओं से सीधे संवाद करते हुए प्रदेश और देश के विकास को लेकर उनके सुझाव सुने। नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश कैसे बनाया जाए, इसी उद्देश्य से युवाओं से संवाद किया जा रहा है। युवा साथी उन्हें सुझाव और दिशा दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के मन में भावनाएं बहुत सुलझी होती हैं और वे किसी को देखकर अपनी राय नहीं बनाते, बल्कि अपने अनुभव और सोच के आधार पर निर्णय लेते हैं। छात्राओं से संवाद करते हुए नितिन नवीन



ने कहा कि युवाओं को अलग-अलग वर्गों में बांटने की जरूरत नहीं है। युवा तो युवा हैं। उन्होंने कहा कि अल्फा, बीटा, गामा और अन्य वर्गीकरण के चक्कर में युवाओं को नहीं फंसने दिया जाएगा। ये सभी युवा भारत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस समय लखनऊ में हैं, उनकी बातों और सुझावों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। काशी विद्यापीठ की तृतीय वर्ष की छात्रा सृष्टि दुबे ने हायर एजुकेशन को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की बात होती है, लेकिन उच्च शिक्षा के युवाओं को कई बार सिर्फ डिग्री हासिल करने तक सीमित कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि युवाओं के संपूर्ण विकास के लिए प्रदेश सरकार की क्या योजना है। एक छात्र ने सवाल किया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने का लक्ष्य क्यों रखा गया है, 2026 तक ही देश विकसित क्यों नहीं हो सकता? क्या इसके लिए युवाओं की सोच और माइंडसेट में बदलाव जरूरी नहीं है?

राष्ट्रपति ने हिडिंबा देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समुद्र तल से 10 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित 9.02 किलोमीटर लंबी अटल टनल का दौरा किया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी उनके साथ मौजूद रहीं। अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने राष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं मंत्री-इन-वेटिंग राजेश धर्माणी, सांसद कंगना रनौत, लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, उपायुक्त किरण भड़ाना सहित जिला प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राजेश धर्माणी ने राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने अटल टनल को इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का विश्वस्तरीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस टनल ने लाहौल-स्पीति को देश के अन्य हिस्सों के काफी करीब ला दिया है।

पर्यटन की दृष्टि से असीम संभावनाओं का केंद्र है मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध वन्य जीव संपदा, ऐतिहासिक धरोहरों और आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से असीम संभावनाओं का केंद्र है और राज्य सरकार पारदर्शी नीतियों, त्वरित अनुमतियों और सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार देर शाम भोपाल में आयोजित 'एमपी ट्रैवल मार्ट : 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाई देने और निजी निवेश को गति प्रदान करने के उद्देश्य से देश-विदेश के प्रमुख पर्यटन निवेशकों, हॉस्पिटैलिटी समूहों और स्टेकहोल्डर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना, धरोहर संरक्षण, कौशल विकास, फिल्म पर्यटन और विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया तथा निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) प्रदान किए गए।

वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा का भव्य समापन समारोह वडनगर में संपन्न हुआ

वडनगर/अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू की गई 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' आज उत्साह के साथ संपन्न हुई। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उनके जन्मस्थान वडनगर की इस विशेष यात्रा में भाग लेने वाले लगभग 500 युवा बाइक चालकों ने वडनगर के ऐतिहासिक और प्राचीन हातकेश्वर महादेव मंदिर में पवित्र गंगाजल के साथ विशेष जल विसर्जन और पूजा की। इस धार्मिक और सांस्कृतिक अवसर पर वडनगर में भक्ति, आस्था और उत्साह के त्रिवेणी संगम का गठन किया गया। राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा और समर्पण के लिए वडनगर में 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का एक भव्य समापन समारोह देखा गया। समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी शामिल हुए। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न राज्यों के बाइक चालकों और सेवा यात्रियों का स्वागत किया गया और सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के सूखे पर फडणवीस ने अमित शाह से मांगी विशेष सहायता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति और राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने केंद्र सरकार से सूखा प्रभावित किसानों के लिए विशेष सहायता की मांग की। केंद्र का दल 8 से 11 अक्टूबर तक महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लेगा। मुख्यमंत्री सचिवालय ने मुंबई में पत्रकारों को बताया कि फडणवीस ने अमित शाह को राज्य सरकार की ओर से भेजे गए अग्रिम ज्ञापन की प्रति भी सौंपी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अमित शाह को बताया कि राज्य के करीब 32 जिलों में सूखे की गंभीर स्थिति है और लगभग 80 प्रतिशत तहसीलें प्रभावित हैं। इस पर केंद्रीय दल की रिपोर्ट और राज्य सरकार के प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से सहायता देने पर निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, अमित शाह ने महाराष्ट्र को अधिकतम संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

महाराष्ट्र में 100 फीसदी वोटर नामांकन के लिए विशेष कैंप शुरू

12 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों की वोटर लिस्ट में भागीदारी सुनिश्चित करने और मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दिशा-निर्देशों के तहत, चुनाव अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य नाम उसमें न रहे। यह व्यापक अभियान चल रहे एसआईआर का एक अहम हिस्सा है। महाराष्ट्र के सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में 5 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक विशेष वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने बताया कि कैंपस में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तैनात किए गए हैं, जो योग्य छात्रों को आवेदन फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं और एसआईआर से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे हैं।

बीएलओ घर-घर जाकर उन योग्य नागरिकों की पहचान भी कर रहे हैं जिनका नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है और वेरिफिकेशन के बाद फॉर्म 6 भरवा रहे हैं। जो लोग घर पर नहीं मिल रहे हैं, उनके



लिए 10 और 11 अक्टूबर को सभी तय मतदान केंद्रों पर विशेष वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए जाएंगे।

जिन नागरिकों का नाम घर-घर गणना के दौरान बनी अनुपस्थित या स्थानांतरित मतदाताओं की लिस्ट में है, वे दोबारा नाम जुड़वाने या सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। अनुपस्थित / शिफ्टेड मतदाताओं की आधिकारिक लिस्ट आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रकाशित की गई है, जहां लोग अपना नाम चेक कर सकते हैं।दावे, आपत्तियां और नए रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 12 अक्टूबर है। नागरिक ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से आवेदन कर सकते हैं। वे फिजिकल आवेदन चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), स्थानीय बीएलओ को या कैंप के दिनों में तय मतदान केंद्रों पर दे सकते हैं।

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने लोगों से अपील की है कि वे ईसीआई पोर्टल या आधिकारिक ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के जरिए डिजिटल आवेदन करें। कार्यालय ने भरोसा दिया है कि जरूरी दस्तावेजों के साथ जमा किए गए सभी पूरे आवेदनों को संबंधित विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए चुनाव पंजीकरण अधिकारियों द्वारा प्रोसेस किया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 5 अक्टूबर को राज्य में चल रहे एसआईआर को लेकर कहा था कि गहन पुनरीक्षण के लिए फील्ड लेवल वेरिफिकेशन के जरिए वोटर लिस्ट को नए सिरे से बनाना जरूरी है।

'पंजाब में हो रही लोकतंत्र की हत्या'

आप ने 'स्वराज' को 'गुंडा राज' में बदला: गौरव भाटिया

एजेंसी

पंजाब । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी (आप) और पंजाब सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पंजाब के लोगों को लोकतंत्र के बजाय ऐसा शासन दे रही है, जिसमें प्रशासन और पुलिस का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब उम्मीदवार नामांकन दाखिल करने पहुंचे, तो उनके साथ बदसलूकी की गई, उनके कपड़े फाड़े गए और उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने से रोका गया। यह लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा कि आप सरकार ने पंजाब में 'स्वराज' के बजाय 'गुंडा राज'



को बढ़ावा दिया है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की है। पंजाब में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को पूरी तरह कमजोर कर दिया गया है और चुनाव प्रक्रिया के दौरान विपक्षी तथा निर्दलीय उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोकने की कोशिश की गई। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पूरी चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का आदेश दिया था। इसमें नामांकन, स्क्रूटनी और नाम वापस लेने की प्रक्रिया भी शामिल थी। इस आदेश का पालन नहीं किया गया, जो उनके अनुसार अदालत की अवमानना का मामला बनता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश वकील ने इन आरोपों या चुनाव प्रक्रिया से जुड़े निष्कर्षों को गलत नहीं बताया। भाटिया के अनुसार, सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया कि प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने का अधिकार है और सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संविधान के प्रावधानों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेता ने कहा कि जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में नामांकन प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर बाधा डाले जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कई मामलों में उम्मीदवारों से नामांकन पत्र छीने गए, उन्हें फाड़ा गया या नष्ट कर दिया गया। कुछ उम्मीदवारों के साथ मारपीट की गई, उन्हें हिरासत में लिया गया और धमकाया गया। जो खुद संविधान को कमजोर कर रहा है, उसके द्वारा लगाए गए इन बेबुनियाद आरोपों में कोई दम नहीं है और इनमें सबूत का एक भी अंश नहीं है। '

सिंधिया राज परिवार की संपत्ति का समझौता फिर कानूनी अड़चनों में फंसा

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ की बेटी ने लगाया सहमति के बिना हस्ताक्षर कराने का आरोप

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित सिंधिया राज परिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे सिंधिया की बेटी प्रतिमा देवी ने इसमें आपत्ति दर्ज कराई है। ग्वालियर के अतिरिक्त सत्र न्यायालय में इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद में समझौते पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुनाने के लिए 14 अक्टूबर की तारीख तय की है। न्यायालय यह तय करेगा कि मामले में साक्ष्य के बाद फैसला दिया जाए या अंतरिम आवेदनों पर सुनवाई के आधार पर ही निर्णय किया जाए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना (जो कि नेपाल के राणा परिवार में विवाहित हैं) की ओर से दाखिल आपत्ति आवेदन पर बहस हुई। प्रतिमा देवी का कहना है कि उनसे धोखाधड़ी कर समझौता प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कराए गए हैं। प्रतिमा देवी की आपत्ति का जवाब उनकी तीनों मौसियों राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे ने न्यायालय में दिया है। उनका कहना है कि समझौते पर सभी की सहमति से हस्ताक्षर हुए थे। हस्ताक्षर के बाद सभी लोग वहां रुके, डिनर किया और अंत में फोटोग्राफ भी लिए गए।

इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च पर भाजपा का पलटवार

केशव मौर्य बोले-सत्ता वियोग में पागल हो गई है कांग्रेस

एजेंसी

लखनऊ । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च को लेकर एनडीए नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'कांग्रेस सत्ता के वियोग में पागल हो गई है। वह लगातार कोशिश कर रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा को लॉन्च कर दे और देश की जनता उन्हें स्वीकार कर ले लेकिन जनता उन्हें पूरी तरह से नकार रही है।' केशव मौर्य ने कहा कि यदि विपक्ष के पास कोई ठोस विषय है तो उसे चुनाव आयोग के पास ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली स्थिति है। ये लोग चुनाव में जीत नहीं पा रहे हैं और जनता की अदालत में कहीं ठहर नहीं पा रहे हैं, इसलिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। ' वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने को कांग्रेस और उसके गठबंधन का पुराना शगल बताया। उन्होंने कहा, 'जब ये चुनाव जीतते हैं तो संवैधानिक संस्थाओं पर कुछ नहीं बोलते। तमिलनाडु में जीते तो कुछ नहीं कहा, हिमाचल में जीते तो चुप रहे। केरल में जहां-जहां जीते हैं, वहां उन्होंने बहिष्कार क्यों नहीं किया? यह केवल चुनाव हारने का बहाना ढूंढना है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के



साथ तीसरी बार सत्ता में आएगी। ' इस बीच, अलीगढ़ में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी इंडिया ब्लॉक के मार्च पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'ये लोग मारकाट पर विश्वास कर रहे हैं। पूरे देश को पता है कि कांग्रेस के कार्यकाल में ही पूरे सिस्टम पर उसका कब्जा था।

अखिलेश यादव अयोध्या के दौरे पर, श्रीराम का आदेश रहा तो करेंगे दर्शन : अवधेश प्रसाद

एजेंसी

अयोध्या । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को राम नगरी अयोध्या के दौरे पर रहेंगे। वह पूर्व मंत्री और अयोध्या के पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर समाजवादी खेमे में उत्साह है। वहीं, सत्ता पक्ष द्वारा इस दौरे को लेकर दिए जा रहे बयानों पर सपा और कांग्रेस नेताओं ने पलटवार भी किया है। अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, 'समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव आज यहां चल रहे भागवत कथा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। अपने संसदीय क्षेत्र के सम्मानित लोगों की ओर से मैं उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं।' वहीं, लखनऊ में पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा, 'अखिलेश यादव को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। पवन पांडेय ने पहले से ही इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रखी थी और सभी प्रोटोकॉल पूरे हो चुके हैं। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष वहां पहुंचेंगे। यह एक बड़ा आयोजन है। इस बहाने वह कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगे और स्थानीय राजनीति तथा आगामी चुनावों में संभावित उम्मीदवारों को लेकर भी मंथन होगा। यह 2027 के विधानसभा चुनाव की हमारी रणनीति का हिस्सा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरी तरह से चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं। ' अखिलेश यादव के इस अयोध्या दौरे पर कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, 'अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं। अयोध्या जाने के लिए कोई वीजा नहीं लगता। यह उनकी निजी, धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है। वे पवन पांडेय के यहां हो रही भागवत कथा सुनने जा रहे हैं और यदि प्रभु श्री राम का आदेश रहा तो वे रामलला के दर्शन भी करेंगे। 'उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'जब अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं तो भाजपा और उसके इकोसिस्टम के पेट में दर्द क्यों हो रहा है, यह समझ से परे है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे फंसाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन की कोशिश हुई: शिवकुमार

'कुछ लोगों को काम पर लगाया है। कुछ नेताओं ने यह किया है और मेरे पास इसकी सटीक जानकारी है।'

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें फंसाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन के जरिए जाल बिछाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए तस्वीरें और दस्तावेज मौजूद हैं। नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद कई लोग उनसे संपर्क करने पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें पता है कि कथित स्टिंग ऑपरेशन के पीछे कौन लोग हैं। शिवकुमार ने कहा, 'मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे



फंसाने की कोशिश की गई। कुछ लोग मेरे पास आए थे। मेरे पास तस्वीरें हैं। मुझे पता है कि इन स्टिंग ऑपरेशन का सूत्रधार कौन है। 'उन्होंने एक कन्नड़ कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि अपराध करने के बाद भी कुछ लोग इस तरह व्यवहार करते हैं, जैसे वे बहुत चालाक हों और उनकी करतूत किसी को पता ही न चली हो। उन्होंने कहा कि वह कथित स्टिंग ऑपरेशन में शामिल लोगों को जानते हैं और उन्होंने इस संबंध में पुलिस को भी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं उन सभी को जानता हूं। मैंने पुलिस को इसकी जानकारी दी है और मुख्यमंत्री बनने के बाद कुछ लोगों के मेरे पास आने से संबंधित सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे हैं। ' शिवकुमार ने कहा कि वह इस मामले की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें पता है कि वे लोग किस तरह उनके पास पहुंचे, उन्होंने किन लोगों से मुलाकात की और कथित ऑपरेशन के पीछे कौन है। उन्होंने कहा, 'वे किसी मुद्दे पर चर्चा करने आए थे। वे कैसे आए, किस तरह मुझसे संपर्क किया और किससे मिले, मुझे हर जानकारी है। यह सब कौन करवा रहा है, मैं जानता हूं। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है, क्योंकि सरकारी अधिकारियों को भी ऐसे कथित स्टिंग ऑपरेशन में अनावश्यक रूप से फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं दूसरे लोगों को जवाब नहीं देना चाहता। मैंने अपने अधिकारियों से सावधान रहने को कहा है, क्योंकि हमारे अधिकारियों को अनावश्यक रूप से फंसाया जाता है। शिवकुमार ने दावा किया कि उनके आसपास तीन स्तर के लोग हैं और कथित स्टिंग ऑपरेशन के लिए कुछ लोगों को काम पर लगाया गया है। उन्होंने कहा, 'मेरे आसपास तीन सर्किल हैं। उन्होंने उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें खुद निशाना बनाया गया है।

अमित शाह समेत व अन्य ने लोकनायक जेपी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

'आपका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव भावी पीढ़ियों को भी राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र के सजग प्रहरी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। जब कांग्रेस के सत्ता-अहंकार ने देश पर आपातकाल थोपा और लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की, तब लोकनायक करोड़ों देशवासियों की आवाज़ बनकर निडरता से खड़े रहे। जेल की यातनाएं भी उन्हें उनके संकल्प से डिगा नहीं सकीं और 'संपूर्ण क्रांति' के उनके आह्वान के आगे इंदिरा गांधी की तानाशाही



सरकार को झुकना पड़ा। जयप्रकाश नारायण जी का जीवन-दर्शन हर देशभक्त के लिए प्रेरणा का एक अक्षय स्रोत है। नितिन गडकरी ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने एक जनसेवक के रूप में अपना संपूर्ण जीवन देशहित में समर्पित कर दिया। आपातकाल के दौरान, उन्होंने अराजकता और अन्याय के विरुद्ध देश को एकजुट किया और इसके प्रबल स्वर बने। उनके विचार सदैव सभी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 'संपूर्ण क्रांति' के माध्यम से लोकनायक जयप्रकाश ने जन-जन में लोकतांत्रिक चेतना जगाई और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष की भावना का संचार किया। उन्होंने जन-भागीदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शुचिता पर बल देते हुए भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के प्रतीक के रूप में उभरते हुए, जयप्रकाश जी ने राष्ट्र-कल्याण के लिए युवाओं को संगठित किया। देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित करने वाले राष्ट्र के ऐसे महान सेवकों का त्याग, संघर्ष और उनके आदर्श सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में, उन्होंने लोगों को लोकतंत्र की शक्ति से अवगत कराया और लोकतंत्र की बहाली का मार्ग प्रशस्त किया। आपके ओजस्वी विचार और आदर्श जीवन आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैसमंत्री हरदीप सिहं पुरी ने कहा कि जेपी आंदोलन ने इमरजेंसी के दौरान भारतवासियों की आवाज़, हौसले और शक्ति को बुलंद किया और तत्कालीन सरकार को झकझोर दिया था।

वन्य जीवों का संरक्षण-संवर्धन का हमारा मिशन और यह लगातार रहेगा जारी: मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वन्य जीव हमारे वनों के आभूषण हैं। इन्हें संजोकर रखना हम सबका दायित्व है। मप्र की धरती पर वन्य जीवों का संरक्षण और संवर्धन हमारा मिशन है और यह मिशन लगातार भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर के रहली में वन्य जीव सप्ताह समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दो चीते (नर 'व्योम' और मादा 'नीरा') के लिए तैयार किए गए सुरक्षित बाड़े (सॉफ्ट रिलीज बोमा) में विमुक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चीता मित्रों और बाघिन दीदी से भी संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व में चीतों को नया ठिकाना मिला है। बुंदेलखंड स्थित वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य प्रदेश में तीसरा ऐसा स्थान बना है, जहां चीते अपने अनुकूल प्राकृतिक आवास में स्वच्छंद होकर विचरण करेंगे। उन्होंने कहा कि नौरादेही में 41 वर्ष पहले टाइगर रिजर्व की स्थापना हुई थी। यह अभयारण्य सबसे खास होगा, क्योंकि अब नौरादेही में पर्यटकों को चीता और टाइगर एक ही रिजर्व में विचरण करते नजर आएंगे। मध्यप्रदेश में चीतों की संख्या अब 60 तक पहुंच गई है। प्रदेश की धरती वन्य प्राणियों के लिए सबसे अनुकूल है। मध्यप्रदेश, देश में सबसे अधिक टाइगर और गिद्धों की संख्या वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन और वन्य प्राणियों की चिंता करते हुए उनका सभी प्रकार से संरक्षण कर रही है। मध्यप्रदेश में जलचर, थलचर और नभचर सभी प्रकार के जीवों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। राज्य में नर्मदा मैया के वाहन मगरमच्छ को भी संरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते यह हमारा दायित्व है कि कठिन समय में क्षेत्र के नागरिकों के लिए साथ खड़े रहें। वन्य जीव सप्ताह के समापन के अवसर पर आज वन समितियों को उनके लाभांश का वितरण भी किया गया। नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास पर्यटकों को घुमाने और उन्हें सुविधाएं प्रदान करने वाली समितियों के सदस्यों को कुल 80 करोड़ की आय में से 20 करोड़ लाभांश के रूप में मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन क्षेत्र के आसपास बफर जोन में होमस्टे सर्विस को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गांव में रहने वाले लोग अपने मकान में एक से दो कमरे होमस्टे के लिए तैयार करें और स्वरोजगार पाएं।

जनसंवाद और जनभागीदारी ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला

जनसंवाद से मिल रही विकास को नई दिशा, विकास कार्यों में जनता की भागीदारी जरूरी : हेमंत खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने गुरूवार को बैतूल में मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के तहत पांच क्लस्टरों सोहागपुर, बारहवीं, गोराखार, बाघोली एवं बैतूल बाजार की बैठकों को संबोधित करने के साथ 42 लाख की लागत से बने तीन सामुदायिक भवनों का लोकार्पण कर बैतूल बाजार में आम नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि जनसंवाद और जनभागीदारी ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला है। जनसंवाद से विकास को नई दिशा मिल रही है। विकास कार्यों में जनता की भागीदारी जरूरी है। विकास केवल सड़क, नाली और भवन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य नागरिकों के जीवन को सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम में गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों और नगरीय क्षेत्रों में शहरवासियों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। बैतूल बाजार मंडल के 33 ग्रामों सहित बैतूल बाजार नगरीय क्षेत्र में पांच क्लस्टर बैठकें लेकर नागरिकों से सीधा संवाद कर विकास एवं निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझकर विकास की प्राथमिकताएं तय करने से योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाया जा सकता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पांचों क्लस्टर बैठकों में ग्रामीणों की सड़क, नाली, स्वच्छता,



विद्युत, पेयजल, सिंचाई सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों के सुझावों पर सकारात्मक विचार कर कार्यरूप में परिणित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास का उद्देश्य सिर्फ निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक विकास कार्य का सीधा लाभ नागरिकों को मिले और उनकी रोजमर्रा की सुविधाओं में सुधार हो। इसी उद्देश्य से वे लगातार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन से संवाद कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि क्षेत्र की आवश्यकता और प्राथमिकता के अनुसार विकास एवं निर्माण कार्यों को स्वीकृति दिलाई जा रही है। गांवों और नगरीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के साथ स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित एवं सर्वसुविधायुक्त क्षेत्र के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने सोहागपुर क्लस्टर में जैतापुर, आरुल, बुंडाला, बंजारढाना, जुनावानी, नाहिया, साईखंडारा, खापा, मिलानपुर और रोंधा सहित गांवों के ग्रामीणों से संवाद किया। बारहवीं क्लस्टर में बारहवीं, गुढ़ी, अर्जुनवाड़ी, रेढ़वा, घोघरी, डोडरामोहाड़, जावरा, थावड़ी, सुनारखापा और नागझिरी क्षेत्र के नागरिक शामिल हुए। गोराखार क्लस्टर में कोलगांव, मुचागोहान, गोराखार, सरंडई, गोंडी गौला, बड़ौरी, जसोन्दी, हाथीडिगर, दीनानचारसी, बोरीकास, सालार्जुन, बगदरी, नायकचारसी और बाघोली क्लस्टर में बाघोली, छाता, चारबन, बयावाड़ी, लोहारिया, जोड़क्या, जगधर, परसोडी, हनोत्या, हतनोरा एवं गजामढाना के ग्रामीणों से संवाद किया। इसके साथ ही बैतूल बाजार के नागरिकों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से भी क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा हुई।

ई-दक्ष केंद्र भोपाल में कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम के अंतर्गत विभागीय कर्मचारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

लोकसेवकों में सेवा भाव की संस्कृति को आत्मसात करने तथा लोक-केंद्रित प्रशासन की अवधारणा



को विकसित करने के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी के मार्गदर्शन में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, भोपाल द्वारा आज 8 अक्टूबर 2026 को ई-दक्ष केंद्र, भोपाल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोक अभियोजन संचालनालय, मध्यप्रदेश के उप संचालक, सहायक संचालक, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी, अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोकसेवा में कर्तव्यनिष्ठा, सेवा भाव तथा नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व एवं बेहतर सेवा-प्रदाय सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुंबई में 7 देशों के काउंसल जनरल एवं राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ राउंडटेबल बैठक

ठोस परियोजनाओं से मजबूत होगी मध्यप्रदेश की वैश्विक साझेदारी : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस-2027) में सात देशों को 'साझेदार देश' के रूप में जुड़ने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश विभिन्न देशों के साथ निवेश और व्यापारिक साझेदारी को ठोस परियोजनाओं के माध्यम से आगे बढ़ाना चाहता है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता की कसौटी निवेश प्रस्तावों का धरातल पर क्रियान्वयन होगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुंबई में आयोजित राउंड टेबल बैठक में जापान, मेक्सिको,रूस,कोरिया गणराज्य, थाईलैंड,मिस्र अरब गणराज्य एवं साउथ अफ्रीका के काउंसल जनरल एवं राजनयिक प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतिनिधियों के विचारों को सुनते हुए कहा, ÷आपकी बातें मेरे साथ भोपाल जाएँगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनवरी 2027 में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का नौवाँ संस्करण आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि साझेदार देश (पार्टनर कंट्री) के रूप में आने वाले देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ वे स्वयं बैठक करेंगे। प्रतिनिधिमंडल उनके साथ भोज में भी शामिल होंगे। उनकी रुचि के अनुरूप पीथमपुर की औद्योगिक संभावनाओं से लेकर साँची की सांस्कृतिक विरासत तक प्रदेश के विविध पहलुओं से परिचित कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद से मध्यप्रदेश में 8.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।



उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी यही सुनिश्चित करने पर जोर होगा कि जो कहा जाए, वह धरातल पर उतरे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले वर्ष अक्टूबर में मुंबई में कई राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ हुए संवाद का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने विभिन्न देशों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है और आने वाले वर्ष में इस साझेदारी को और विस्तार देना चाहता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिटेन की कंपनी हेलियॉन के निवेश निर्णय का उल्लेख करते हुए बताया कि कंपनी ने जून में पीथमपुर में लगभग 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से कारखाना स्थापित करने का निर्णय लिया। परियोजना के लिए 40 एकड़ से अधिक भूमि का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कंपनी के वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वयं मध्यप्रदेश आए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभिन्न विकल्पों के बीच पीथमपुर का चयन प्रदेश के प्रति कंपनी के भरोसे को दर्शाता है।उन्होंने बताया कि जापान के सौ वर्ष से अधिक पुराने टोप्पन समूह ने भी अपनी नई इकाई के लिए पीथमपुर को चुना है। लगभग 950 करोड़ रुपये की इस परियोजना का पूरा निवेश विदेश से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोरिया की ई.सी.डी.एस. के प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए बताया कि कंपनी ने भारत में अपनी पहली इकाई के लिए उज्जैन में लगभग 780 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इस इकाई में कैंसर की जाँच के किट बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, ÷मध्यप्रदेश में जो बात मेज़ पर होती है, वह धरातल पर उतरती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जून में इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक और लैटिन अमेरिका के 15 देशों के साथ व्यापार एवं निवेश मंच का भी उल्लेख किया। उन्होंने इन आयोजनों को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और व्यापारिक संबंधों के विस्तार के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजनयिक प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने देशों की राजधानियों तक यह संदेश पहुँचाएँ कि मध्यप्रदेश , जीआईएस॒2027 में उनके देश को साझेदार देश के रूप में देखना चाहता है।उन्होंने संबंधित देशों के द्विपक्षीय चैंबरों से मध्यप्रदेश को जोड़ने और उनकी

विकास कार्यों में नहीं आने देंगे कोई कमी : राज्यमंत्री गौर



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि ÷क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी, जनता की निष्काम सेवा के माध्यम से मिले दायित्व का ऋण उतारना ही मेरी पहली प्राथमिकता है।÷ राज्यमंत्री श्रीमती गौर गुरुवार को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-60 में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने लगभग 42 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का वैदिक रीति-रिवाज से भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश सरकार जन-आकांक्षाओं के अनुरूप विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखती, बल्कि प्रत्येक स्वीकृत योजना धरातल पर प्रत्यक्ष रूप से आकार लेती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को सुगम, सुरक्षित एवं आधुनिक मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, पार्क सौंदर्यकरण तथा अन्य जन-सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों को उच्च मानक गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिये सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। आयोजित भूमि-पूजन कार्यक्रम में वार्ड-60 स्थित वल्लभ नगर से सौम्या विहार तक 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली कांक्रीट (सीसी) सड़क का विधिवत शिलान्यास किया गया, जिससे क्षेत्रीय निवासियों को आवागमन में सुगमता प्राप्त होगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जीएमसी एवं हमीदिया चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय परिसर में विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुराने ओपीडी भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने और नवीन ओपीडी भवन का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कमला नेहरू चिकित्सालय में स्थापित किए जा रहे पेट-सीटी स्कैन के स्थल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने रेडियोथेरेपी विभाग में निर्माणाधीन लीनियर एक्सीलरेटर बंकर का भी निरीक्षण किया तथा मशीन के क्रय एवं स्थापना संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ईदगाह हिल्स में निर्माणाधीन पीजी हॉस्टल के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर बाउंड्री वॉल, पानी एवं विद्युत कनेक्शन का कार्य दो माह में पूर्ण कर हॉस्टल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के नवीन यूजी हॉस्टल का कार्य भी दो माह में पूर्ण करने तथा मॉर्चुरी का निर्माण एक माह में प्रारंभ करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं अध्यक्ष, कार्यकारिणी समिति, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय स्वशासी समिति, भोपाल डॉ. सलोनी सिडाना, अधिष्ठाता गांधी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ कविता सिंह, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक हमीदिया चिकित्सालय डॉ सुनीत टंडन सहित पीआईयू के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रबी सीजन के पहले एमपी ट्रांसको ने बढ़ाई रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने रबी सीजन के ठीक पहले अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क की रिएक्टिव पावर कंपन सेशन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचवी) सबस्टेशनों मे 750 कैपेसिटर बैंको के संचालन से वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर हुआ है तथा कृषि उपभोक्ताओं सहित सभी उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर, गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति मिल रही है। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एमपी ट्रांसको द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अभी तक 29 नए कैपेसिटर बैंकों की स्थापना कर उन्हें सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 750 कैपेसिटर बैंक क्रियाशील हैं, जिनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 9383.5 एमवीएआर हो गई है। यह क्षमता प्रदेश की अब तक की अधिकतम रिएक्टिव पावर मांग 6776 एमवीएआर से लगभग 38 प्रतिशत अधिक है, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।



स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर जांच गंभीर बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण

टीबी उन्मूलन के लिए युवा शक्ति तैयार, JOSH टीमें घर-घर स्क्रीनिंग में करेंगी सहयोग : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सघन स्क्रीनिंग के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश में अब तक 1.12 लाख टीबी मरीजों की समय पर पहचान की जा चुकी है। पहले जहां 25 से 30 हजार मरीज ही चिन्हित हो पाते थे, वहीं व्यापक स्क्रीनिंग से अधिक मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से 6 माह तक दवा लेने, पौष्टिक आहार और निक्षय मित्रों के सहयोग से टीबी मरीज पूर्णतः स्वस्थ होकर 'टीबी चैंपियन' बन रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य के साथ वर्ष 2047 तक विकसित और हेल्दी भारत के निर्माण का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आज गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में JOSH (जॉइंट स्क्रॉड फ़ॉर हेल्थ) टीम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने नई दिल्ली से राष्ट्रव्यापी स्तर पर JOSH टीम का वर्चुअल



शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, आयुक्त स्वास्थ्य श्री एस. धनराजू, आयुक्त स्वास्थ्य, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. सलोनी सिडाना, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की डीन डॉ. कविता सिंह, सहित वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर जांच गंभीर बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के समय पर एंटी-नेटल चेकअप (एएनसी) कराने और ग्राम पंचायतों से इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं फैटी लिवर के साथ सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग का भी व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा निःशुल्क जांच एवं दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन इन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जन-जागरूकता और जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छ॒हस॒ टीमें युवाओं की शक्ति को टीबी उन्मूलन अभियान से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल हैं। माय भारत के स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक एवं जिला स्तर पर गठित टीमें घर-घर स्क्रीनिंग अभियान में सहयोग करेंगी तथा संभावित मरीजों की पहचान, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मध्यप्रदेश का लक्ष्य सतत एवं संरक्षण आधारित पर्यटन मॉडल विकसित करना- प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी.

पर्यटकों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक : केंद्रीय सचिव कुमार

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट-2026 के दूसरे दिन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में %भारत के वन्य क्षेत्रों का जीवंत परिदृश्य ः मध्यप्रदेश में वन्यजीव, समुदाय और सतत पर्यटन% विषय पर पैनल चर्चा हुई। सत्र में केंद्रीय सचिव पर्यटन श्री भुवनेश कुमार ने अपने विचार रखें। पैनल में सीईओ मध्यप्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड श्री एल. कृष्णमूर्ति, सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी., महाप्रबंधक, सीजीएच अर्थ एक्सपीरियंस होटल्स श्री डेविड राजू, निदेशक, एंड बियॉन्ड एशिया श्री टोबी सिंक्लेयर, संस्थापक एवं सीईओ, ग्राम स्टे श्री पारीक्षित सिंह और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर श्री शिवांग मेहता शामिल रहे। सत्र का संचालन वैक्सपोल होटल्स एंड रिसॉर्ट्स की संस्थापक एवं निदेशक तथा एटोआई वुमन्स कलेक्टिव की चेयरपर्सन सुश्री आकांक्षा गर्ग ने किया। केंद्रीय सचिव श्री कुमार ने कहा कि वन्यजीव पर्यटन में स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ाव बेहद महत्वपूर्ण है। ÷स्थानीय समुदाय के साथ चलें और उनसे जुड़ें÷ की भावना के साथ ही सतत पर्यटन का उद्देश्य पूरा हो सकता है। मध्यप्रदेश में वन प्रबंधन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है, और कूनो में हुआ चीता संरक्षण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। वन्यजीव पर्यटन को केवल वन्यजीव देखने तक सीमित न रखकर विविध प्राकृतिक अनुभवों से जोड़ने की आवश्यकता है। चंबल में डॉल्फिन, गांधीसागर क्षेत्र की जैव विविधता, गिद्ध संरक्षण तथा गिद्धों के प्रजनन स्थलों के आसपास पूर्णिमा की रात नौका विहार जैसे अनूठे अनुभव मध्यप्रदेश के वन्यजीव पर्यटन को नया आयाम दे सकते हैं। केंद्रीय सचिव श्री कुमार ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल पर्यटकों की संख्या से तय नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि पर्यटन



से स्थानीय समुदाय और प्रकृति को कितना लाभ मिल रहा है। पर्यटकों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें पर्यटन और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही स्थानीय समुदायों को पर्यटकों के साथ बेहतर संवाद और आतिथ्य के लिए प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पर्यटन से होने वाला आर्थिक लाभ स्थानीय स्तर तक पहुंच सके। मध्यप्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड के सीईओ श्री एल. कृष्णमूर्ति ने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन तकनीक और बेहतर संवाद के साथ आगे बढ़ेगा। वन्यजीव पर्यटन केवल भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यटक विशिष्ट और यादगार अनुभव के लिए आते हैं। मध्यप्रदेश में कान्हा के साथ रातापानी, सतपुड़ा, संजय और वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य जैसे क्षेत्रों को भी वन्यजीव पर्यटन के लिए विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा के साथ गाइड एवं वाहन चालकों के प्रशिक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। सचिव पर्यटन एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन एवं वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में प्रभावी कार्य किया है। हाल ही में भारत में जन्मी चीता ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो देश में चीता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चीतों को मध्यप्रदेश के पर्यावरण में ढलने में समय लगा, लेकिन अब संरक्षण के प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। इन संरक्षण प्रयासों को पर्यटन के नए और जिम्मेदार अनुभवों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रातापानी को नए बाघ अभयारण्य के रूप में विकसित किया जाना प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चंबल में गिद्धों के प्रजनन स्थलों के आसपास पूर्णिमा की चांदनी में नौका विहार जैसे विशिष्ट अनुभव पर्यटकों को प्रकृति और वन्यजीवों के करीब लाने के साथ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं।

फैटी लिवर वाले भूल से भी न खाएं ये सब्जी, पड़ जाएंगे लेने के देने!



फैटी लिवर के मरीजों को खाने में ऑयल कम करने की सलाह दी जाती है. तेल के अलावा भी उन्हें कई दूसरी चीजों को खाने से बचना चाहिए. चलिए आपको बताते हैं डॉक्टर ने इस पर क्या कहा?

रूटीन में मैदा से बनी चीजें खाना, हाई शुगर फूड्स और ऑयल को खाने में कंट्रोल न होनाज ऐसी कई खानपान से जुड़ी गलतियां हैं जो लिवर को कम उम्र में ही बीमार बना रही हैं. आज भारत में ज्यादातर लोग फैटी लिवर की चपेट में है और इसमें सबसे बड़ा कारण उनका फिजिकली फिट न होना और खराब खानपान है. एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि हमें फाइबर और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर चीजें खानी चाहिए. इसके उलट लोग तेल में फ्राई की गई मैदा की चीजें बड़े शोक से खाते हैं. वैसे यहां हम आपको फैटी लिवर के मरीज को कौन सी चीजें नहीं खानी चाहिए, ये बताने जा रहे हैं.

फैटी लिवर के मरीजों को आलू ज्यादा नहीं खाना चाहिए. इस पर टीवी9 ने डॉक्टर हर्ष कपूर (चेयरमैन, हेपेटोलॉजी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मेट्रो ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स) से बातचीत की. जानें डॉक्टर ने क्या कहा

एक्सपर्ट ने क्या कहा?

डॉक्टर कहते हैं कि आलू को फैटी लिवर के मरीजों के लिए सीधे तौर पर जहर कहना सही नहीं है. समस्या आलू से ज्यादा उसकी मात्रा और उसे पकाने के तरीके से होती है. आलू में कार्बोहाइड्रेट और स्टार्च की मात्रा अधिक होती है. अगर फैटी लिवर से जूझ रहा व्यक्ति रोजाना ज्यादा मात्रा में आलू, खासकर तले हुए आलू, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स या ज्यादा तेल-मसाले वाली आलू की सब्जी खाता है, तो इससे शरीर में अतिरिक्त कैलोरी बढ़ सकती है और वजन व ब्लड शुगर को नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है. यही स्थिति फैटी लिवर को बढ़ाने में भूमिका निभा सकती है.

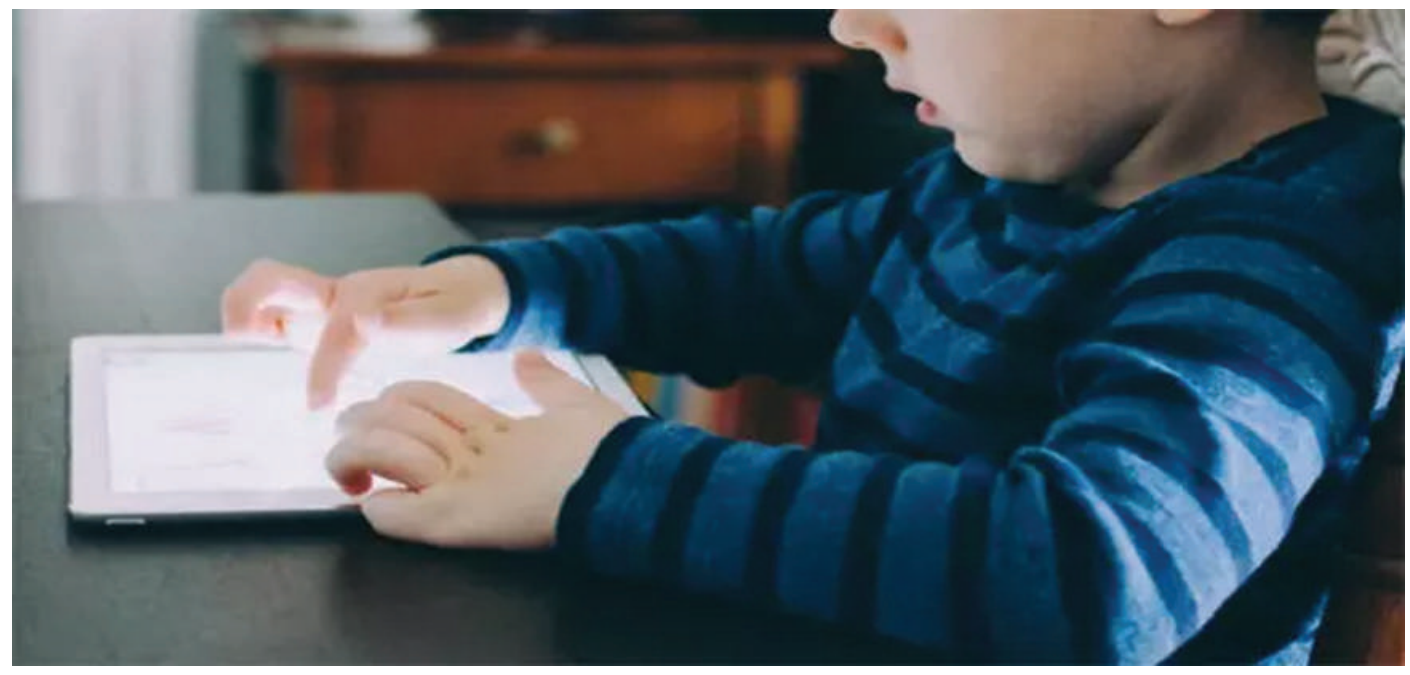
फैटी लिवर वाले कैसे खाएं आलू

इसका मतलब यह नहीं है कि फैटी लिवर वाले व्यक्ति को आलू पूरी तरह छोड़ देना चाहिए. उबला या कम तेल में पकाया हुआ आलू सीमित मात्रा में लिया जा सकता है. बेहतर होगा कि आलू के साथ हरी सब्जियां, दाल, सलाद और प्रोटीन वाली चीजें भी भोजन में शामिल की जाएं, ताकि डाइट संतुलित रहे.

इन बातों का रखें खास ध्यान

फैटी लिवर में सबसे जरूरी है कि कुल कैलोरी, वजन, शुगर और तेल-चर्बी वाली चीजों पर नियंत्रण रखा जाए. इसलिए सिर्फ आलू को दोष देने के बजाय पूरी डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है. अगर किसी व्यक्ति को फैटी लिवर है, तो उसकी स्थिति के अनुसार डॉक्टर या डाइटीशियन से डाइट प्लान लेना सबसे बेहतर रहेगा.

बच्चों के पोषण में डिजिटलीकरण न बने बाधा



भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में बढ़ते डिजिटलीकरण को भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है, ताकि तकनीक बच्चों तक भोजन और पोषण की पहुंच में बाधा न बने। डिजिटलीकरण के कारण बच्चे की भोजन और पोषण सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों के निजी आंकड़ों की सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। दूसरी ओर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों पर डिजिटल रिपोर्टिंग का काम इतना नहीं बढ़ना चाहिए कि बच्चों के साथ सीधे काम करने का उनका समय कम होने लगे।हाल के वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लक्षित समूहों के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में भी तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इससे योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता बेहतर हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पात्र व्यक्ति योजना से वंचित रह जाए, तो यह चिंता का विषय है। बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि देश में बाल कुपोषण अब भी गंभीर समस्या बना हुआ है। ऐसे में आधार, ई-केवाईसी, फेस रिकग्निशन या किसी ऐप की तकनीकी प्रक्रिया के कारण किसी बच्चे का भोजन और पोषण नहीं रुकना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल योजनाओं को बेहतर बनाने और उनकी निगरानी के लिए हो सकता है, लेकिन गरीब, प्रवासी, आदिवासी और दूसरे वंचित परिवारों के बच्चों के लिए ऐसी शर्तें भोजन और पोषण सेवाओं तक पहुंच को और कठिन बना सकती हैं।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार देश में पांच साल से कम उम्र के 29.3 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन के शिकार हैं, 19 प्रतिशत बच्चे दुबले हैं और 31.8 प्रतिशत बच्चों का वजन उनकी उम्र के अनुसार कम है। पिछले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुकाबले इन संकेतकों में सुधार दर्ज हुआ है, लेकिन करीब हर तीन में से एक बच्चे का उम्र के अनुसार कम वजन होना बताता है कि चुनौती अभी भी बड़ी है। बच्चे के जीवन के शुरुआती दो वर्षों में पर्याप्त और विविध आहार मिलना भी पोषण का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए कुपोषण को खत्म करने के लिए बहुआयामी प्रयास जरूरी हैं।बच्चे के पोषण की बुनियाद गर्भावस्था के दौरान ही पड़ जाती है। गर्भवती महिला को पर्याप्त पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं मिलना, जन्म के बाद स्तनपान, छह महीने के बाद पर्याप्त और विविध पूरक आहार, साफ पानी, संक्रमण से बचाव और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलना बच्चे के विकास से सीधे जुड़े हैं। इसके बाद आंगनवाड़ी और स्कूल में मिलने वाला भोजन आता है। इसलिए कुपोषण सामने आने के बाद बच्चे का वजन बढ़ाने के प्रयासों के साथ उन कारणों पर भी काम करना जरूरी है, जिनके चलते बच्चा कुपोषण का शिकार होता है।इस पूरी व्यवस्था में आंगनवाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण है। गरीब, आदिवासी, दूरदराज और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी पोषण के साथ स्वास्थ्य और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था भी है। इसके लिए जरूरत के मुताबिक पर्याप्त आंगनवाड़ी केंद्र, अच्छे भवन, पानी, बिजली और स्वच्छता की सुविधाएं तथा पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कार्यकर्ता जरूरी हैं। भोजन की गुणवत्ता पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दाल, मोटे अनाज, सब्जियां और दूसरी पौष्टिक सामग्री से गर्म पका भोजन दिया जा सकता है। स्कूलों में स्थानीय भोजन और किचन गार्डन को बढ़ावा देने के साथ बच्चों में जंक फूड के बढ़ते इस्तेमाल को रोकने के उपाय भी जरूरी हैं।मां के पोषण और उसकी सामाजिक सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिलने का असर मां और बच्चे दोनों के पोषण पर पड़ता है। मातृत्व लाभ की पहुंच बढ़ाने के साथ तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्रेच और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। प्रवासी मजदूरों, बेघर और विस्थापित परिवारों के बच्चों के लिए समस्या और कठिन है। पहचान या स्थायी पते के अभाव में यदि कोई बच्चा आंगनवाड़ी, स्कूल, भोजन या स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर रह जाता है तो इसका सबसे ज्यादा असर पहले से वंचित परिवारों पर पड़ता है।बच्चों के भोजन की व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, रसोइयों, किसानों, ग्राम पंचायतों, माता-पिता और स्कूल प्रबंधन समितियों को इससे जोड़ने पर भोजन की गुणवत्ता और निगरानी दोनों में मदद मिल सकती है। स्थानीय किसानों से दाल, मोटे अनाज और दूसरी पौष्टिक सामग्री की खरीद बच्चों को स्थानीय और विविध भोजन उपलब्ध कराने के साथ किसानों और स्थानीय आजीविका को भी सहारा दे सकती है। इसके साथ सामाजिक अंकेक्षण, भोजन की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच, सरकारी ठेकों में पारदर्शिता और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए।

बच्चों के भोजन और पोषण की जिम्मेदारी सरकार की है। इसलिए निजीकरण के बजाय सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करते हुए स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है।बदलती जलवायु और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का असर परिवारों की खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी या आजीविका का नुकसान अंततः घर में उपलब्ध भोजन को प्रभावित करता है। इसलिए आपदा के समय बच्चों और गर्भवती महिलाओं के भोजन और पोषण की व्यवस्था को राहत कार्यक्रमों का जरूरी हिस्सा बनाना होगा। स्थानीय कृषि और पोषण योजनाओं के बीच बेहतर तालमेल भी जरूरी है। आंगनवाड़ी, आशा और पीएम पोषण से जुड़े फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को पर्याप्त मानदेय, सामाजिक सुरक्षा, जरूरी संसाधन और काम की बेहतर परिस्थितियां दिए बिना जमीनी स्तर पर पोषण सेवाओं में अपेक्षित सुधार मुश्किल है। आर्ट देखेंभोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में बढ़ते डिजिटलीकरण को भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है, ताकि तकनीक बच्चों तक भोजन और पोषण की पहुंच में बाधा न बने। डिजिटलीकरण के कारण बच्चे की भोजन और पोषण सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों के निजी आंकड़ों की सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। दूसरी ओर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों पर डिजिटल रिपोर्टिंग का काम इतना नहीं बढ़ना चाहिए कि बच्चों के साथ सीधे काम करने का उनका समय कम होने लगे। तकनीक सुविधा और निगरानी का साधन रहे, अधिकार पाने की शर्त नहीं।

भोपाल में हाल में हुए बच्चों के भोजन के अधिकार पर तीसरे राष्ट्रीय अधिवेशन में तीन दिनों की चर्चा के बाद जारी घोषणा में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। अधिवेशन में प्रख्यात अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज सहित भोजन के अधिकार के लिए लंबे समय से काम कर रहे कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अधिवेशन में भी इस बात पर जोर दिया गया कि कुपोषण रोकने के प्रयास बच्चे के कुपोषित पाए जाने के बाद ही शुरू नहीं होने चाहिए।मां के पोषण से लेकर बच्चे के शुरुआती आहार, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य सेवाओं और स्कूल तक पोषण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व सुरक्षा, स्थानीय खाद्य व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को साथ लेकर चलना होगा।

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से 'ऑप्टोजेनेटिक्स' तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है।माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं। बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरुआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततः यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी। भरोसा है कि यह खोज मानव कल्याण के नये मार्ग खोलेगी। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस खोज के सामने आने के बाद आंखों की रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर, उन लोगों के जीवन में रोशनी लायी जा सकेगी, जो किसी रोग के कारण दृष्टिहीन हो गए थे। वहीं दुनिया में तेजी से बढ़ रहे दिमागी रोग पार्किंसंस के रोग में, खास दिमागी कोशिकाओं को नियंत्रित करके ऐसे रोगी के शरीर में कंपन व अन्य लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकेगा।

नई प्रदेश अध्यक्ष से उत्तर प्रदेश कांग्रेस को बड़ी उम्मीदें



कांग्रेस सिर्फ़ भाजपा-विरोधी वोटों पर निर्भर रहने के बजाय इंडिया ाठबंधन में खुद को एक स्वतंत्र राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश कर कती है। नेतृत्व में बदलाव तभी असरदार होगा जब उसके साथ मज़बूत ज़िला इकाइयां, बूथ-स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता और भरोसेमंद उम्मीदवार ी हों। कोशिश ब्राह्मण वोटरों से दोबारा जुड़ने, किसी महिला नेता को ्यादा अहमियत देने और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी की स्थिति बेहतर करने की है।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) की अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की नियुक्ति कांग्रेस की राजनीतिक पुररुत्थान की एक हत्वपूर्ण कोशिश है। इसके ज़रिए पार्टी अपने जातिगत गठबंधन आधार को फिर से बनाना चाहती है, समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ बातचीत में अपनी स्थिति मज़बूत करना चाहती है और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक ज़्यादा भरोसेमंद संगठन तैयार करना चाहती है।चूंकि आराधना के राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, इसलिए यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर उनके कार्यकाल में उन्हें पार्टी आलाकमान का पूरा समर्थन मिलेगा। जब प्रियंका गांधी उत्तर देश के लिए एआईसीसी की प्रभारी थीं, तब आराधना मिश्र उनकी गातार साथी रहीं और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उनके व्यापक ौरों के दौरान उन्हें अनुभव मिला। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष नाना और दूसरे समुदाय के नेताओं को आगे बढ़ाना इस रणनीति को और ज़बूत करता है।आराधना मिश्र ब्राह्मण चेहरा हैं, जिन्हें विधायी कामकाज का अनुभव है। वह प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार विधायक ही हैं और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। वह ऐसे समय में क प्रमुख ब्राह्मण चेहरा हैं जब कांग्रेस उन सवर्ण मतदाताओं के बीच अपना समर्थन फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है जो काफी हद क भाजपा की ओर चले गए हैं।

राज्य भर में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी सीट जीतने ा उनका रिकॉर्ड उन्हें सिर्फ़ संगठनात्मक काम के लिए जाने जाने वाले ेता की तुलना में ज़्यादा भरोसेमंद बनाता है। कांग्रेस यह दिखाना चाहती कि ब्राह्मण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा और भी राजनीतिक वेकल्प हैं। हालांकि, ब्राह्मण नेता को नियुक्त करने से वे मतदाता अपने-आप वापस नहीं आएंगे। पार्टी को स्थानीय उम्मीदवार, एक भरोसेमंद ाजनीतिक कार्यक्रम और ज़मीनी स्तर पर लगातार काम करने की ज़रूरत ोगी।इसमें महिलाओं का भी एक पहलू है। महिला को प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कांग्रेस को महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर अपना दावा फिर से मज़बूत करने का मौका मिलेगा, खासकर 2022 में उसके %लड़की हूं, लड़ सकती हूं% अभियान के बादआराधना मिश्र को यूपीसीसी अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ब्राह्मण, मुस्लिम, ओबीसी और दलित प्रतिनिधित्व का एक व्यापक संयोजन बनाना चाहता है। एक मज़बूत बातचीत करने वाली टीम बनाना उसका उद्देश्य है। आराधना मिश्र संगठन में तालमेल और सपा के साथ रिश्तों पर ध्यान दे सकती हैं, जबकि मसूद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एक अहम आवाज़ के तौर पर सामने आएंगे।कांग्रेस सिर्फ़ भाजपा-विरोधी वोटों पर निर्भर रहने के बजाय इंडिया गठबंधन में खुद को एक स्वतंत्र राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश कर सकती है। नेतृत्व में बदलाव तभी असरदार होगा जब उसके साथ मज़बूत ज़िला इकाइयां, बूथ-स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता और भरोसेमंद उम्मीदवार भी हों।

कोशिश ब्राह्मण वोटरों से दोबारा जुड़ने, किसी महिला नेता को ज़्यादा अहमियत देने और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी की स्थिति बेहतर करने की है। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की बात करें तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उनका राजनीतिक आधार कांग्रेस को एक अहम मुस्लिम नेता देता है। उनकी नियुक्ति यह भी संकेत देती है कि कांग्रेस सपा के साथ बातचीत में मज़बूत रुख अपनाएगी।इसी तरह, देवेंद्र निषाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाना निषाद और नदी किनारे रहने वाले अन्य पिछड़े समुदायों तक पहुंचने की कोशिश है, जो उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर चुनावी तौर पर अहम हैं। एक और वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद प्रभावशाली पासी दलित समुदाय से आते हैं। वह पासी वोटरों पर ध्यान देंगे जो अभी भी बसपा के साथ हैं।यहां यह बताना ज़रूरी है कि आराधना के पिता प्रमोद तिवारी, जो अब कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य हैं, ने अपनी रामपुर खास विधानसभा सीट से नौ बार जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। प्रमोद तिवारी के मुलायम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। योजनाएं खोजेंइसी समझ की वजह से समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ़ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। अगर समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ़ कोई उम्मीदवार उतारा भी, तो वह डमीया कमजोर उम्मीदवार होता था। इसीलिए प्रमोद तिवारी के लिए विधानसभा चुनाव जीतना हमेशा बहुत आसान होता था। इसमें कोई शक नहीं कि आराधना मिश्र के यूपीसीसी अध्यक्ष रहने से पार्टी के लिए समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करना आसान होगा।

जब से आराधना मिश्र ने यूपीसीसी की कमान संभाली है, तब से ऐसी खबरें आ रही हैं कि जाने-माने ब्राह्मण नेता कांग्रेस में वापस आ रहे हैं। पवित्र शहर मथुरा से पूर्व मंत्री और जाने-माने ब्राह्मण नेता श्यामसुंदर शर्मा पार्टी में वापस आ गए हैं। ठाकुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के काम करने के तरीके को लेकर प्रभावशाली ब्राह्मण समुदाय में काफी नाराज़गी है। ब्राह्मण नेताओं और विधायकों ने कई बैठकें की हैं और सरकार पर ब्राह्मण समुदाय के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया है कि ठाकुर मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ब्राह्मणों को निशाना बना रही है और उन्हें परेशान कर रही है। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए ब्राह्मणों को लेकर लगाए गए आरोप राज्य में राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं।कांग्रेस तेज़ी से आगे बढ़ रही है, जो स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ हाल ही में हुए गठबंधन से साफ़ है, जिसमें दोनों पार्टियां 10 विधानसभा सीटों पर सहमत हुई हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी से मुलाक़ात की और घोषणा की कि उनकी %अपना जनता पार्टी% इंडिया गठबंधन में शामिल होगी और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए के खिलाफ़ लड़ेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य, जो पहले बसपा के साथ थे, इंडिया गठबंधन के लिए गैर-यादव पिछड़ी जातियों और गैर-जाटव दलितों को एकजुट करने में मदद करेंगे।यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की 2027 के अहम विधानसभा चुनावों में स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी पार्टी के साथ सीट बंटवारे में बड़ी भूमिका होगी। चूंकि आराधना मिश्र ने अजय राय की जगह ली है (जो 2023 से यूपीसीसी अध्यक्ष थे और वाराणसी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे), इसलिए उन्हें सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ बातचीत में खुद को बेहतर साबित करना होगा। साथ ही, विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर करने के लिए उन्हें संगठन को मजबूत करना होगा और पार्टी का सामाजिक आधार बढ़ाना होगा।

वरदान है मां का दूध



दुनियाभर में मां के दूध को बच्चे के लिए सबसे बढ़िया माना गया है। यह शिशु के लिए क़ुदरती आहार है, जिसका दूसरा कोई विकल्प नहीं है। नवजात बच्चे के लिए यह पोषण का सबसे बढ़िया स्रोत है। यह बच्चे को कई बीमारियों व इन्फैक्शंस से बचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मां जब बच्चे को दूध पिलाती है, तब उन दोनों में भावनात्मक संबंध और मज़बूत होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना फ़ायदेमंद रहता है।

क्यों है ज़रूरी?-

मां का दूध डिब्बाबंद दूध की अपेक्षा जल्दी हज़म हो जाता है। इसमें फैट, ग्लूकोज़, पानी और प्रोटीन संतुलित मात्रा में होते हैं, जो बच्चे के विकास के लिए ज़रूरी हैं। मां के दूध में पाया जाने वाला प्रोटीन आसानी से पच जाता है, इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मां का दूध पीने वाले बच्चे ज़्यादा बुद्धिमान होते हैं, मोटापे का शिकार नहीं होते और उन्हें भविष्य में कई बीमारियों का ख़तरा भी कम होता है।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चे विकास के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं। जिन बच्चों को मां का दूध नहीं मिल पाता, उनमें ब्रैस्ट फीड लेने वालों के मुक़ाबले मौत का ख़तरा 2-7 गुना ज़्यादा रहता है या गंभीर बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ये है फ़ायदा-

ब्रैस्ट फीडिंग शिशु के लिए संरक्षण और संवर्धन का काम करती है। नए जन्मे बच्चे में रोग प्रतिरोधक शक्ति नहीं होती। मां के दूध से यह शक्ति

शिशु को हासिल होती है। मां के दूध में लैटोफोर्मिन नामक तत्व होता है, जो बच्चे की आंत में लौह तत्व (आयरन) को बांध लेता है। आयरन के कारण शिशु की आंत में रोगाणु पनप नहीं पाते। मां के दूध से आए साधारण जीवाणु बच्चे की आंत में पनपते हैं और रोगाणुओं से प्रतिस्पर्धा कर उन्हें पनपने नहीं देते। वातावरण से मां की आंत में पहुंचे रोगाणु, आंत में स्थित विशेष भाग के संपर्क में आते हैं, जो उन रोगाणुविशेष के ख़िलाफ़ प्रतिरोधक तत्व बनाते हैं। ये तत्व एक विशेष नलिका थोरासिक डट से सीधे मां के स्तन तक पहुंचते हैं और दूध से बच्चे के पेट में। इस तरह मां का दूध पीकर बच्चा हमेशा स्वस्थ रहता है।

मां की तंदुरुस्ती का राज़-

एक अध्ययन के अनुसार जो महिला अपने बच्चे को दूध पिलाती है, उसके शरीर में 400-600 कैलोरी अतिरिक्त ख़र्च होती है। इससे प्रैगनेंसी के दौरान शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त फैट कम हो जाती है। यूट्रस भी अपने वास्तविक आकार में आ जाता है। डिलीवरी के बाद होने वाली लीडिंग भी कम होती है। ब्रैस्ट व यूट्रस कैंसर होने का ख़तरा भी कम हो जाता है।

ये है ख़तरा-

जिन बच्चों को बचपन में पर्याप्त रूप से मां का दूध पीने को नहीं मिलता, उनमें टाइप-टू डायबिटीज़ होने की संभावना अधिक होती है। उनमें बुद्धि विकास अपेक्षाकृत कम होता है। अगर बच्चा समय पूर्व जन्मा (प्रीमेच्योर) हो, तो उसे बड़ी आंत का घातक रोग, नेक्रोटाइजिंग एंटोरोकोलाइटिस हो सकता है। अगर गाय का दूध पीतल के बर्तन में उबालकर दिया गया हो, तो शिशु को लीवर का रोग 'इंडियन चाइल्डहुड सिरोसिस' हो सकता है।

कब पिलाएं दूध-

जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का दूध पिलाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि नॉर्मल डिलीवरी हो, तो आधे घंटे बाद और यदि सिज़ेरियन हो, तो दो घंटे बाद बच्चे को फीड दी जानी चाहिए।

जब भी बच्चा रोता है, तब कुछ मांएं तुरंत उन्हें दूध पिलाना शुरू कर देती हैं, पर बच्चे को दो घंटे के बाद ही दूध पिलाएं। बच्चे को दिनभर में ग्यारह-बारह बार दूध पिलाना चाहिए। कुछ बच्चे धीरे-धीरे दूध पीते हैं, तो कुछ जल्दी ही पी लेते हैं, इसलिए बच्चे को तब तक दूध पिलाएं, जब क कि उसका पेट भर न जाए। कई बार मांएं जल्दी दूध छुड़वा लेती हैं, पर तब तक बच्चे का पेट नहीं भरा होता।

फीड ही ह पर्याप्त है-

बच्चे को चार महीने की उम्र तक मां के दूध के अलावा कुछ भी देने की ज़रूरत नहीं होती। जो बच्चे केवल मदर फीड लेते हैं, बोतल का दूध नहीं पीते, उन्हें इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। उन्हें मां के दूध से ही पूरा पोषण मिल जाता है।

मिथ-

कई लोगों में यह धारणा है कि पहले दो-तीन दिन मां को जो दूध आता है, वह बच्चे को नहीं पिलाना चाहिए। यह धारणा ग़लत है। इस गाढ़े व पीले रंग के दूध को कोलेस्ट्रॉम कहते हैं।

यह बच्चे के लिए बहुत फ़ायदेमंद है, क्योंकि इसमें प्रोटींस, एनर्जी और प्रोटैक्टिव एंटी बॉडिज़ होते हैं, जो बच्चे को कई बीमारियों से बचाते हैं। जन्म के समय कोलेस्ट्रॉम की एक-एक बूंद आंख में डाल दें, तो कुछ बैटीरिया आंखों में होते ही नहीं। लेकिन ऐसा सिर्फ़ एक ही बार करें।

जब बात हो डिनर की



भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुज़ारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए ख़राब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दपति नाश्ता तो जल्दबाज़ी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें। डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी ज़िंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर ज़रूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैस होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउज़ी बना देता है और आपको कफर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज़ करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को ख़राब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीज़ों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।



फैट भी है ज़रूरी



फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी ज़रूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम का डिवैलपमेंट सही तरीक़े से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज़्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज़्यादा कैलोरीज़ कंज़्यूम कर लेते हैं। इससे वज़न बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज़, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फ़ीसदी से ज़्यादा कैलोरीज फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मखन, मार्जरिन, चीज़, क्रीम व आईसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल। स्किड मिल्क (मलाई के बग़ैर दूध) और लो फैट चीज़ों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैपरेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज़ के ख़तरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज़ प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज़्यादा सेवन करने से वज़न बढ़ सकता है। लो-फैट फूड्स जैसे सब्ज़ियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक ज़रूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरित कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज़ का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का ज़्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं। ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनकेसेवन से बचें।

क्यों है जरूरी?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं। 20 से 30 फ़ीसदी कैलोरीज़ हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को असॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज़ मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज़ मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स ज़रूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बग़ैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स ज़रूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैस हार्मोन की प्रॉडशन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज़्यादा पतली होती हैं, उनमें हश्चयूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस ज़रिया होने के अलावा ये भोजन को लेवर और टेस्ट देते हैं।

शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटैटिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मखन और मीट में फैट काफ़ी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफ़ी ज़्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

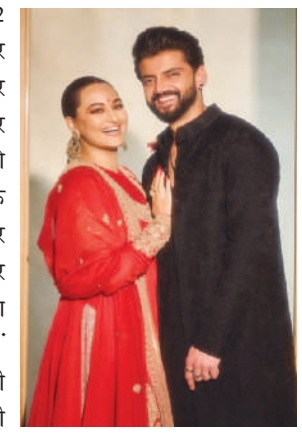


किरन के पीछे पड़ा सनकी समीर....

सोनाक्षी सिन्हा

जहीर इकबाल की 'तू है मेरी किरन' का ट्रेलर आया

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल रियल लाइफ में पति पत्नी हैं. अब ये सेलिब्रिटी कपल बड़े पर्दे पर भी एक साथ नज़र आने वाला है. रियल लाइफ में एक दूसरे पर प्यार लुटाने वाले सोनाक्षी और जहीर फिल्म में अलग ही अंदाज में नजर आएंगे. सोनाक्षी और जहीर फिल्म 'तू है मेरी किरन' में साथ दिखने वाले हैं. मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया, जिससे साफ है कि ये फिल्म एकतरफा और सनकी आशिक की कहानी कहने वाली है. साथ ही इसमें सुपरनैचुरल चीज़ें भी हो सकती हैं.



'तू है मेरी किरन' का ट्रेलर 2 मिनट 15 सेकेंड का है. ट्रेलर में जहीर इकबाल यानी समीर को एक ऐसे आशिक के तौर पर दिखाया गया है, जो किरन यानी सोनाक्षी के प्यार में पागल है. ट्रेलर काफी सस्पेंसफुल है और इसे देखने पर ऐसा लगता है कि फिल्म में सुपरनैचुरल चीज़ें भी दिखाई देंगी. ट्रेलर की शुरुआत जहीर इकबाल की आवाज के साथ होती है. वो कहते हैं, किरन मैं जानता हूं कि तुम जैसी लड़की के लिए मुझ जैसे लड़के के साथ प्यार करना बहुत मुश्किल है. दुनिया ने भी मुझे यही बताया है कि मैं लूजर हूं. लेकिन फिर तुम मेरी लाइफ में आई. मेरे साथ हंसी, मुझसे बात की. ऐसा मेरे साथ कभी नहीं हुआ है. आई लव यू किरन.

....ये कहानी तो अभी शुरू हुई है...

ट्रेलर में दिखाया गया है कि जहीर जबरदस्ती किरन से अपने प्यार को कबूल करवाने की कोशिश कर रहे हैं. वो कहते हैं कि ये कहानी ऐसे खत्म नहीं हो सकती, क्योंकि ये कहानी तो अभी शुरू हुई है. इसके बाद कुछ ऐसे विजुअल दिखाए गए हैं, जिससे लगता है कि फिल्म में सुपरनैचुरल चीज़ें भी होंगी. सोनाक्षी के चोट का निशान गायब हो जाता है, जिससे वो हैरान नज़र आती हैं. इसके बाद जहीर कहते है, जो होने वाला था, वो अब होगा नहीं किरन.

कब रिलीज होगी 'तू है मेरी किरन'?

सोनाक्षी और जहीर की 'तू है मेरी किरन' 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. इस फिल्म का निर्देशन करण रावल ने किया है और स्टोरी और स्क्रिनप्ले भी उन्होंने ही लिखा है. इसे विशाल राणा, सर्वेश गोयल, अश्विनी कुमार, मनोज दरक और नृपाल पटेल ने मिलकर प्रोड्यूस किया है.

अनुराग डोभाल ही नहीं, मुनव्वर-एल्विश समेत ये 6 बिग बॉस कंटेस्टेंट भी खा चुके हैं जेल की हवा



सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस' हमेशा से अपने हाई-वोल्टेज ड्रामे, आपसी लड़ाइयों और विवादित चेहरों के लिए जाना जाता है. हाल ही में बिग बॉस 17 फेम 'द यूके 07 राइडर' यानी अनुराग डोभाल के विवादों में फंसने के बाद एक बार फिर ये चर्चा तेज हो गई है कि शो का हिस्सा रह चुके कौन-से सितारे कानून के शिकंजे में फंस चुके हैं. हालांकि, अनुराग डोभाल इसमें अकेले नहीं हैं, भारतीय टेलीविजन के इस सबसे बड़े मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले कई ऐसे कंटेस्टेंट्स और विजेता रहे हैं, जिनका कानूनी विवादों और जेल से नाता रहा है.आइए नजर डालते हैं बिग बॉस के उन चर्चित चेहरों पर, जो शोहरत की बुलंदियों के बाद जेल की हवा खा चुके हैं.

एल्विश यादव

'बिग बॉस ओटीटी 2' जीतकर इतिहास रचने वाले मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव का नाम रेव पार्टियों में सांपों का जहर सप्लाई करने के सनसनीखेज मामले में सामने आया था. नोएडा पुलिस ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मार्च 2024 में एल्विश को गिरफ्तार किया था. एल्विश को कई दिन जेल की सलाखों के पीछे बिताने पड़े थे, जिसके बाद उन्हें अदालत से जमानत मिली थी.

मुनव्वर फारूकी

'बिग बॉस 17' की ट्रॉफी अपने नाम करने वाले स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी शो में आने से पहले ही एक बड़े कानूनी विवाद का सामना कर चुके थे. साल 2021 में मध्य प्रदेश के इंदौर में एक कॉमेडी शो के दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मुनव्वर को गिरफ्तार किया गया था. मुनव्वर को करीब 37 दिन जेल में काटने पड़े थे, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत मिली थी.

एजाज खान

'बिग बॉस 7' में अपने जुमलों से घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता एजाज खान का कानूनी रिकॉर्ड काफी लंबा रहा है. मार्च 2021 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने मुंबई एयरपोर्ट से ड्रग्स से जुड़े एक बड़े मामले में एजाज को गिरफ्तार किया था. एजाज को इस केस में भारी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी और वो मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद रहे.

कुनिका सदानंद की मां कल्याणी का निधन, 83 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, एक्ट्रेस ने लिखा इमोशनल पोस्ट



बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस कुनिका सदानंद के सिर से मां का साया उठ गया है. उनकी मां कल्याणी सदानंद का 83 साल की उम्र में गोवा में निधन हो गया है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी मां की एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर करते हुए इस दुखद खबर की पुष्टि की.

दरअसल अपनी मां कल्याणी सदानंद के निधन के बाद एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाला और इमोशनल नोट शेयर किया है. अपनी मां को याद करते हुए कुनिका ने अपनी पोस्ट में लिखा-मेरी मम्मा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं. आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, वह प्यार, मार्गदर्शन, सपने देखने और दुनिया का सामना करने का हौसला, लुक्स, पर्सनालिटी और जिंदगी में मिलने वाले हर मोड़ को सहने की ताकत. उन सभी चीजों के लिए धन्यवाद. मेरी डार्लिंग कल्याणी सदानंद, आप उन सभी लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी, जिन्हें आपने छुआ है.

मां को याद कर इमोशनल हो गई कुनिका

कुनिका ने इस पोस्ट में आगे लिखा- फ्रदोस्त और परिवार वाले आपको एक ऐसी मजाकिया, हंसमुख और मिलनसार इंसान के तौर पर याद करते हैं. जिनके पास हमेशा शेयर करने के लिए कुछ प्यारा और अक्लमंदी भरा होता था. मुझे यकीन है कि आप अपने भाई-बहनों और खास से मिलकर बहुत खुश होंगी. रेस्ट इन पीस मेरी मम्मा, आपने एक पत्नी, मां, बहन, नानी और अपनी जिंदगी के तमाम रिश्तों की हर जिम्मेदारी को पूरे प्यार और देखभाल के साथ निभाया.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कल्याणी सदानंद का अंतिम संस्कार गोवा में किया जाएगा. जबकि बाकी की धार्मिक रस्में और प्रार्थना सभा बाद में मुंबई में आयोजित की जाएगी. सोशल मीडिया पर खबर सामने आते ही फैंस और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लोगों ने कमेंट सेक्शन में शोक व्यक्त करते हुए ओम शांति लिखा है.

कौन हैं कुनिका सदानंद ?

दरअसल कुनिका सदानंद हिंदी सिनेमा का एक पॉपुलर चेहरा हैं. वो 'हम साथ-साथ हैं', 'बेटा', 'गुमराह', 'खिलाड़ी', 'राजा हिंदुस्तानी' और 'प्यार किया तो डरना क्या' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में दिख चुकी हैं. यहां तक कि कुनिका ने 'स्वाभिमान', 'सीआईडी' जैसे पॉपुलर शोज में भी काम किया है. वो रियलिटी शो 'बिग बॉस' का भी हिस्सा रह चुकी हैं.

दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं

कियारा आडवाणी

फैन्स को दी गुड न्यूज, बेटी के साथ शेयर की खास तस्वीर

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में शुमार कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर जल्द ही फिर से किलकारी गूंजने वाली है. कियारा आडवाणी दूसरी बार मां बनने जा रही हैं. एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर एक बेहद प्यारी और क्यूट तस्वीर शेयर कर फैन्स के साथ यह खुशखबरी शेयर की है. शेयर की गई तस्वीर में कियारा और सिद्धार्थ के हाथों में नन्हे सफेद सॉक्स नजर आ रहे हैं. जिसे उनकी नन्ही बेटी सरायाह अपने नन्हे हाथों से थामे दिख रही है. इस गुड न्यूज के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैन्स और बॉलीवुड सेलेब्स बधाई दे रहे हैं.



हाल ही में दीपिका पादुकोण भी दूसरी बार मां बनी हैं. कुछ वक्त पहले ही उन्होंने दूसरी बेटी को जन्म दिया है. दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और अनुष्का शर्मा ने अपने करियर के साथ-साथ परिवार को बखूबी संभाला है. करियर के पीक पर फैमिली लाइफ और मदरहुड को बैलेंस करने के मामले में कियारा भी अब बॉलीवुड की दूसरे टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल हो गई हैं. कियारा आडवाणी भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बेहतरीन बैलेंस बनाकर चल रही हैं.

दूसरी बार मां बनने वाली हैं कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान करते हुए न सिर्फ प्यारी तस्वीर शेयर की है. बल्कि उन्होंने फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन भी लिखा है. वो लिखती हैं- एक बार फिर सबसे खूबसूरत तोहफे के साथ आशीर्वाद मिला है. हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हुए हैं. अब करण जौहर, मनीष मल्होत्रा, भूमि पेडनेकर समेत कई स्टार्स ने कपल को बधाई दी है.

दरअसल सिद्धार्थ और कियारा पहली बार जुलाई 2025 में माता-पिता बने थे. कपल के घर 15 जुलाई 2025 को एक नन्ही परी ने जन्म लिया था. बाद में नवंबर 2025 में दोनों ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर अपनी बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा रिवील किया था.

राजस्थान में हुई थी ग्रैंड वेडिंग

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की लव स्टोरी सुपरहिट फिल्म 'शेरशाह' के सेट से शुरू हुई थी.



नाइट राइडर्स डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में अपने अभियान का आगाज 22 नवंबर से करेगा

एजेंसी

दुबई। अबू धाबी नाइट राइडर्स (एडीकेआर) आगामी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में अपने अभियान की शुरुआत 22 नवंबर को दुबई कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।एडीकेआर और दुबई कैपिटल्स के बीच मुकाबला 22 नवंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह 'सुपर संडे' के डबल हेडर का दूसरा मैच होगा और शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसके बाद नाइट राइडर्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर वापसी करेगी। उसका अबू धाबी में पहला मुकाबला 26 नवंबर को एमआई एमिरेट्स के खिलाफ होगा। यह मैच जायेद क्रिकेट स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा। अबू धाबी नाइट राइडर्स ग्रुप चरण में कुल 10 मुकाबले खेलेगी, जिनमें से छह मैच जायेद क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। घरेलू मैदान पर होने वाले इन मुकाबलों से टीम को अपने प्रशंसकों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। सीजन के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आईएलटी-20 के पांचवें संस्करण को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अबू धाबी नाइट राइडर्स की नजर इस बार मजबूत शुरुआत करने और ग्रुप चरण में बेहतर प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ने पर होगी।

प्रमोद भगत और भाविना पटेल एशियाई पैरा खेलों में होंगे भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाले आइची-नागोया 2026 एशियाई पैरा खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। दोनों खिलाड़ी भारत के सबसे सफल पैरा खिलाड़ियों में शामिल हैं और उनकी उपलब्धियों ने देश में पैरा खेलों को नई पहचान दिलाई है। भारतीय पैरालंपिक समिति के अनुसार, पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 2014 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। इतिहासजानेंवहीं, पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में दो पदक जीते हैं। इनमें एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल है।

मुख्य कोच की नजर लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर, भारतीय मुक्केबाजों से शुरुआती दौर में अधिक कोटा हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने 2026 एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए अधिक से अधिक कोटा जल्द हासिल करने को अपना अगला लक्ष्य बनाया है। एशियाई खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने तीन पदक जीते, जिसमें दो स्वर्ण शामिल हैं। ओलंपिक के लिए पहला प्रमुख क्वालीफिकेशन मार्ग 2027 में कजाकिस्तान में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से शुरू होगा। नीवा ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया से कहा, 'पहला क्वालीफायर कजाकिस्तान में होगा, जो विश्व चैंपियनशिप है, जहां आदर्श रूप से हम अधिक से अधिक कोटा हासिल करना चाहेंगे। इसके बाद एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर होगा और 2028 में दो और ओलंपिक क्वालीफायर होंगे।'

आईओए ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए 'साथ बढ़ते भारत' की परिकल्पना रखी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की परिकल्पना पेश करते हुए इसे दो प्रभावशाली शब्दों- 'साथ बढ़ते भारत' में व्यक्त किया है। आईओए ने कहा कि भारत में 2036 खेलों का आयोजन देश में खेलों के माध्यम से बदलाव की गति तेज करने के साथ-साथ ओलंपिक आंदोलन के लिए सार्वभौमिक विस्तार का नया अध्याय खोल सकता है।आईओए ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा इस सप्ताह 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के भावी मेजबान के चयन की प्रक्रिया में शामिल शहरों और देशों की घोषणा का स्वागत किया।

गुजरात के अहमदाबाद केंद्रित भारत की ओलंपिक और पैरालंपिक मेजबानी की महत्वाकांक्षा पिछले 18 महीनों में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ करीबी और रचनात्मक संवाद के जरिए विकसित की गई है। 'साथ बढ़ते भारत' की परिकल्पना इस विश्वास पर आधारित है कि 2036 ऐसा अवसर हो सकता है, जब खेलों के माध्यम से भारत का बदलाव और ओलंपिक आंदोलन का सार्वभौमिक भविष्य एक साथ आगे बढ़े।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की लड़ने की क्षमता और अप्रत्याशितता मुझे पसंद है : युजवेंद्र चहल

मैनचेस्टर यूनाइटेड अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद शनिवार, 10 अक्टूबर को प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर का सामना करेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के जुनूनी प्रशंसक और भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को भरोसा है कि टीम अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद वापसी करते हुए प्रीमियर लीग तालिका में ऊपर चढ़ सकती है और अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका सकती है। चहल हाल ही में ओल्ड ट्रैफर्ड पहुंचे थे, जहां उन्होंने स्टैंड से मैनचेस्टर डर्बी का मुकाबला देखा। जियोस्टार से बातचीत में चहल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रति अपने बचपन के प्यार, प्रीमियर लीग को फॉलो करने की अपनी पसंद और मैनचेस्टर डर्बी को स्टेडियम में देखने के अनुभव को साझा किया।

अपने बचपन के प्यार और प्रीमियर लीग के प्रति लगाव पर चहल ने कहा, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड बचपन से मेरा प्यार रहा है, इसलिए जब भी समय मिलता है, प्रीमियर लीग देखना मुझे वास्तव में पसंद है। मेरी पसंदीदा चीजों में से एक है अपने दोस्तों को एक साथ बुलाना, उनके साथ बैठकर यूनाइटेड का कोई बड़ा मुकाबला देखना। इसमें हमेशा बहुत सारी भावनाएं और मजाक-मस्ती होती है। '

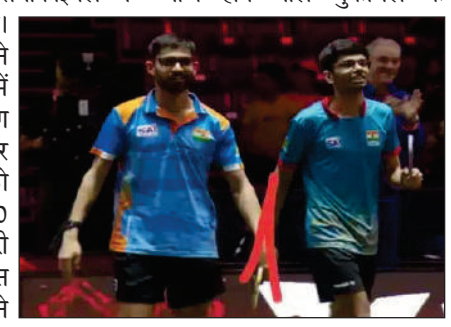


मैनचेस्टर डर्बी को स्टेडियम में देखने के अनुभव और एक यूनाइटेड प्रशंसक के तौर पर अपनी भावनाओं के बारे में चहल ने कहा, 'मैंने हाल ही में मैनचेस्टर डर्बी देखा। जब सिटी के 10 खिलाड़ी रह गए, तो मुझे वास्तव में लगा कि यूनाइटेड किसी तरह नतीजा अपने पक्ष में कर लेगा और कुछ ऐसे मौके भी आए जब लगा कि हम मुकाबला जीत सकते हैं। इसके बाद हालैंड को गोल करते देखना और फिर उस गोल को लेकर पूरा वीडियो सहायक रेफरी वाला विवाद देखना यूनाइटेड के प्रशंसक के तौर पर काफी तकलीफदेह था। लेकिन यही फुटबॉल है, कभी आपको मनचाहा नतीजा मिलता है और कभी नहीं मिलता। 'पसंदीदा यूनाइटेड खिलाड़ी और टीम की वापसी को लेकर अपने भरोसे पर चहल ने कहा, 'मुझे इस यूनाइटेड टीम की जो चीज वास्तव में पसंद है, वह है उसकी लड़ने की क्षमता और अप्रत्याशितता। मैथियस कुन्हा ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनकी मैं बहुत प्रशंसा करता हूं। जिस तरह वह ऊर्जा के साथ खेलते हैं, डिफेंडरों को चुनौती देते हैं और अपने आसपास के खिलाड़ियों को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, वह शानदार है। मुझे सच में विश्वास है कि यह टीम अब भी लोगों को चौंका सकती है। बचपन से यूनाइटेड का प्रशंसक होने के नाते मैं हमेशा टीम पर विश्वास करूंगा और उसका समर्थन करता रहूंगा। आखिर एक फुटबॉल प्रशंसक होने का मतलब यही है। '

टेबल टेनिसः मानुष शाह और मानव ठक्कर चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

एजेंसी

बीजिंग। भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर ने गुरुवार को डब्ल्यूटीटी चीन स्मैश 2026 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।



भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग जिंगकुन और शियांग पेंग को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 19 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 11-5, 11-4 से जीत दर्ज की। मानुष और मानव ने मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ अपना दबदबा बढ़ाया और लगातार तीन गेम जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई।अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्वीडन के एंटोन कालबर्ग और क्रिस्टियन कार्लसन तथा दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून और ओ जुनसोंग की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मानुष शाह गुरुवार को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भी उतरेंगे। वह दिया चिताले के साथ मिलकर चीनी ताइपे की लिन युन-जू और चेंग आई-चिंग की जोड़ी का सामना करेंगे।

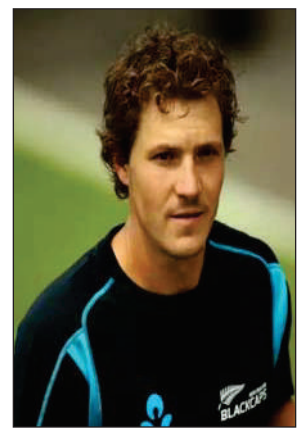
न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी कोच बनेंगे बीजे वाटलिंग, ल्यूक रोंची की लेंगे जगह

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के अनुसार, वाटलिंग 16 नवंबर को टीम के सहयोगी स्टाफ से जुड़ेंगे और रोंची के साथ काम करेंगे।

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज बीजे वाटलिंग भारतीय टीम के खिलाफ दिसंबर की शुरुआत में होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की टेस्ट श्रृंखला के बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी कोच के रूप में ल्यूक रोंची की जगह लेने के लिए तैयार हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के अनुसार, वाटलिंग 16 नवंबर को टीम के सहयोगी स्टाफ से जुड़ेंगे और रोंची के साथ काम करेंगे।

इसके बाद जब न्यूजीलैंड चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, तब वाटलिंग औपचारिक रूप से बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वाटलिंग अपने साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का व्यापक अनुभव लेकर आ रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 75 टेस्ट मैचों में 3,790 रन बनाए, जिसमें आठ शतक और 19 अर्धशतक शामिल हैं। उनके करीब 3,400 टेस्ट रन विकेटकीपर के रूप में आए, जो इस भूमिका में किसी भी न्यूजीलैंड खिलाड़ी द्वारा बनाए गए



सर्वाधिक रन हैं। विकेट के पीछे वाटलिंग के नाम 265 शिकार भी दर्ज हैं, जो न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले न्यूजीलैंड की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने भारत को हराकर पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था। नई भूमिका को लेकर उत्साहित वाटलिंग ने मौजूदा न्यूजीलैंड टीम के साथ काम करने को विशेष अवसर बताया। उन्होंने हाल के वर्षों में टीम और सहयोगी स्टाफ की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वह विश्व स्तरीय टीम में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं। वाटलिंग ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। टीम में वापस आकर मौजूदा खिलाड़ियों के समूह के साथ काम करना एक विशेष अवसर है और मैं इसे हल्के में नहीं लेता। इस टीम और सहयोगी स्टाफ ने पिछले कुछ वर्षों में मिलकर जो हासिल किया है, वह शानदार रहा है, इसलिए मैं एक विश्व स्तरीय टीम में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। '

न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लैथम ने भी वाटलिंग की मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर वाटलिंग का रवैया उनके कोचिंग के तरीके में भी नजर आने की उम्मीद है।

नाना पाटेकर के निधन पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कप्तान रहाणे ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भारतीय क्रिकेट जगत से भी श्रद्धांजलियों का सिलसिला जारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने अभिनेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उनके अभिनय तथा सामाजिक कार्यों को याद किया।

राजीव शुक्ला ने नाना पाटेकर को 'बेहद संवेदनशील इंसान' बताते हुए कहा कि उनके शानदार अभिनय, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। देसीउत्पाद खोजें राजीव शुक्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'दिग्गज अभिनेता और बेहद संवेदनशील इंसान श्री नाना पाटेकर जी के निधन से गहरा दुख हुआ। उनके शानदार अभिनय कौशल, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। फिल्मों की दुनिया से परे, समाज सेवा के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण और लोगों के जीवन को बदलने के उनके प्रयासों ने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करे। उनके परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने नाना पाटेकर को 'बेहद शानदार अभिनेता' बताते हुए कहा कि उनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, 'नाना पाटेकर जी वास्तव में एक बेहद शानदार अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। उनके निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। 'इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने भी नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने अभिनेता को भारतीय सिनेमा की 'बेहद खास प्रतिभा' बताया और कहा कि उनका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। देसीउत्पाद खोजें

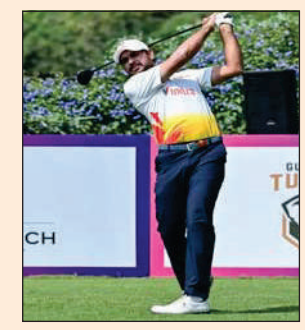
धवन ने एक्स पर लिखा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास प्रतिभा खो दी है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। शांति। ' नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5:20 बजे उनके आवास पर हृदयाघात के बाद निधन हो गया।

हैदराबाद में आईजीपीएल कृष्णा इनविटेशनल का आगाज

पांच गोल्फर 5-अंडर के साथ संयुक्त बढ़त पर

एजेंसी

हैदराबाद। एएम ग्रीन आईजीपीएल कृष्णा इनविटेशनल हैदराबाद 2026 में पहले ही दौर में कम स्कोर की होड़ देखने को मिली। पंजाब रैप्टर्स द्वारा प्रस्तुत प्रतियोगिता के उद्घाटन दौर के बाद चार बार के एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता गगनजीत भुल्लर, फॉर्म में चल रहे आर्यन रूपा आनंद, 2009 इंडियन ओपन चैंपियन सी. मुनियप्पा, रोहित बैसोया और यूएई के जोशुआ ग्रेनविल-वुड 5-अंडर 65 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रेनविल-वुड के लिए यह आईजीपीएल में पदार्पण है। शीर्ष पांच खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर के अलावा 16 खिलाड़ी लीडर से महज दो शॉट के भीतर हैं, जिससे दो दौर बाकी रहते प्रतियोगिता बेहद खुली हुई है।टीम स्पर्धा में कृष्णा पंजाब रैप्टर्स और विमत्रा चेन्नई लायंस जीसी ने पहले दौर के बाद 9-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त बनाई। चेन्नई के लिए भुल्लर ने 5-अंडर का योगदान दिया, जबकि समर्थ द्विवेदी और यशस चंद्र 4-अंडर तथा हर्षजीत सेठी 3-अंडर रहे। पंजाब रैप्टर्स की ओर से मुनियप्पा 5-अंडर के साथ सबसे आगे रहे। हरेंद्र गुप्ता ने 4-अंडर और करंदीप कोचर ने 3-अंडर का कार्ड खेला। टीम स्कोर में चार खिलाड़ियों में से दो



सर्वश्रेष्ठ स्कोर जोड़े जाएंगे। आरवीआर दिल्ली ब्लू बुल्स के आर्यन रूपा आनंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-अंडर का कार्ड खेला। उनके टीम लीडर शिव कपूर ने 1-अंडर का स्कोर बनाया। हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन कोर्स के खुले फेयरवे ने खिलाड़ियों को आक्रामक गोल्फ खेलने के पर्याप्त मौके दिए। आर्यन ने पहले पांच होल में ही दो ईगल लगाकर दिन की सबसे शानदार शुरुआत में से एक की। दोनों ईगल पैरा-4 होल पर आए। 15वें होल पर शॉट गंवाने के बाद उन्होंने 16वें और 17वें होल में बर्डी लगाकर 5-अंडर 65 पर दौर समाप्त किया। आर्यन ने कहा कि इस कोर्स से उनकी पुरानी परिचितता उनके लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि वह आक्रामक अंदाज में खेलना जारी रखेंगे और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा रखेंगे। मुनियप्पा ने भी अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बर्डी और एक ईगल की मदद से 5-अंडर का स्कोर बनाया। हालांकि उन्होंने दो बोगी भी कीं, लेकिन 15वें होल पर ईगल ने उन्हें संयुक्त बढ़त तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि अब वह अपने स्वाभाविक स्विंग पर भरोसा करते हुए सरल तरीके से खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। भुल्लर ने फ्रंट नाइन में दो बर्डी के बाद बैक नाइन पर रफ्तार बढ़ाई और चार बर्डी तथा एक बोगी के साथ 5-अंडर 65 का कार्ड पूरा किया। ग्रेनविल-वुड 6-अंडर तक पहुंच गए थे, लेकिन अंतिम होल पर बोगी के कारण उन्हें 5-अंडर पर संतोष करना पड़ा।

स्मृति ने हरमनप्रीत को सफल कप्तानी कार्यकाल के लिए दी बधाई, कहा- आपके नेतृत्व में खेलना सुखद रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना ने पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को उनके सफल कप्तानी कार्यकाल के समापन पर बधाई दी। स्मृति ने कहा कि एक दशक तक हरमनप्रीत के नेतृत्व में खेलना सुखद अनुभव रहा और अब दोनों मिलकर देश के लिए और उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगी। हरमनप्रीत ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। उनके नेतृत्व में भारत ने 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता। स्मृति अब 16 अक्टूबर से जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाले दौरे से सभी प्रारूपों में भारतीय टीम की कप्तानी संभालेंगी। स्मृति ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में लिखा, 'इतने वर्षों तक आपके साथ



खेलना मेरे लिए सुखद रहा है। आपके नेतृत्व के ये 10 वर्ष शानदार रहे हैं और अब हम मिलकर अपने देश के लिए कई और उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगे। ' हरमनप्रीत की कप्तानी की सबसे बड़ी उपलब्धि 2025 में आई, जब उन्होंने भारत को पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप का खिताब दिलाया। हरमनप्रीत ने 2016 में पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की कप्तानी संभाली थी। 2022 में मिताली राज के संन्यास के बाद वह एकदिवसीय और टेस्ट टीम की पूर्णकालिक कप्तान बनीं। विश्व कप जीत के साथ वह 50 ओवर के विश्व कप का खिताब जीतने वाली कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद तीसरी भारतीय कप्तान बनीं। हरमनप्रीत ने 2018 और 2023 के महिला टी-20 विश्व कप में भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाया, जबकि 2020 में टीम को फाइनल में ले गईं। उन्होंने भारत की रिकॉर्ड 155 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी की और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 से अधिक मैचों में कप्तानी करने वाली पहली पुरुष या महिला कप्तान बनीं। उन्होंने भारत की पांच टेस्ट और 51 एकदिवसीय मैचों में भी कप्तानी की। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी अगुआई में भारत ने रजत पदक जीता था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। हरमनप्रीत के नेतृत्व में भारतीय महिला क्रिकेट ने बढ़ती वैश्विक पहचान और कई ऐतिहासिक सफलताओं का दौर देखा। अब स्मृति मंधाना जिम्बाब्वे दौरे से भारतीय महिला टीम की नई पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत करेंगी।

श्रेयस अय्यर टी20 रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर

वनडे में शुभमन गिल शीर्ष पर कायम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर जारी ताजा आईसीसी रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी सूची में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर के प्रारूप में बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर ने लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के पहले मुकाबले में 43 गेंदों पर नाबाद 102 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और छह छक्के शामिल थे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत विश्व चैंपियन भारत ने मुकाबला आठ विकेट से जीता। आईसीसी के अनुसार, अय्यर इस पारी के बाद 18 स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए और टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के तीसरे सबसे ऊंचे रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए। ईशान किशन



और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थान पर कायम हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं। इस तरह भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हैं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी आठ स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी के बाद 10 स्थान की छलांग लगाकर 37वां स्थान हासिल किया। वहीं, एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के हसन नवाज 62 स्थान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में क्रमशः 29 रन पर कोई विकेट नहीं और 29 रन पर एक विकेट लेने वाले अबरार अहमद अपना शीर्ष स्थान बरकरार नहीं रख सके। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान फिर से टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। यह आठवीं बार है जब राशिद शीर्ष स्थान पर पहुंचे हैं। वह किसी भी अन्य गेंदबाज की तुलना में दोगुने से अधिक समय तक नंबर एक रह चुके हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने पिछले सप्ताह तीन मैचों में दो-दो विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने 16 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया। इतिहासजानें

गिल वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

शुभमन गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में नाबाद 223 रनों की पारी के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान और मजबूत किया है। इस प्रारूप में गिल का यह दूसरा दोहरा शतक था और यह वनडे में लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी रहा। इस पारी से गिल को 25 रेटिंग अंक मिले और वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंक की बराबरी पर पहुंच गए। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली एक स्थान फिसल कर दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। केएल राहुल भी सात स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक लगाने के बाद राहुल अब 10वें स्थान पर हैं।

अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप शुरू, 42 देशों के 144 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

एजेंसी

अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण अहमदाबाद में शुरू हो गया। इसमें राष्ट्रमंडल के 42 देशों के 144 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के मुकाबले 8 से 10 अक्टूबर तक वीर सावरकर खेल परिसर में खेले जाएंगे। उद्घाटन समारोह 7 अक्टूबर को आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित बहुविषयक प्रतियोगिता पहली बार भारत में हो रही है। अहमदाबाद में अगले तीन दिनों तक अनुभवी चैंपियन, उभरती प्रतिभाएं और भारत के शीर्ष खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। चैंपियनशिप में 72 पुरुष और 72 महिला खिलाड़ी पांच स्पर्धाओं– इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, 10-बॉल पूल, हीबॉल और ब्लैकबॉल– में चुनौती पेश करेंगे। चार दिवसीय आयोजन में कुल 10 पदक स्पर्धाएं होंगी। यह प्रतियोगिता भारतीय बिलियर्ड्स और स्नूकर महासंघ के शताब्दी समारोह का भी प्रमुख हिस्सा है। में आयोजित पहली चैंपियनशिप में पांच पदक जीते थे। घरेलू मैदान पर इस बार भारतीय चुनौती की अगुआई महिला हीबॉल की मौजूदा कॉमनवेल्थ चैंपियन विद्या पिल्लई, पुरुष हीबॉल के रजत पदक विजेता शिवम अरोड़ा और महिला 10-बॉल पूल की रजत पदक विजेता चित्रा मागिमैराज करेंगी। तीनों खिलाड़ी अपने पदकों की संख्या बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे।भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से चुनौती मिलेगी। इनमें इंग्लैंड की केली फिशर और रेबेका केना, दक्षिण अफ्रीका के क्रेग बोवर, मलेशिया के लिम कोक लियोंग और वेल्स के डैरेन मॉर्गन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। विश्व बिलियर्ड्स खेल परिसंघ के उपाध्यक्ष मुबारक अल-खयारिन ने कहा, 'कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमें खुशी है कि इस वर्ष का संस्करण भारत के अहमदाबाद में आयोजित हो रहा है। राष्ट्रमंडल के विभिन्न हिस्सों से शीर्ष क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ियों को एक साथ लाना उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है और दुनिया भर में हमारे खेल को जोड़ने वाले संबंधों को और मजबूत करता है। हम एक रोमांचक चैंपियनशिप की उम्मीद करते हैं और अहमदाबाद में खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक हैं। ' परिसंघ की बोर्ड सदस्य ग्रीटा स्टीनकैंप ने कहा, 'हम भारत में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का स्वागत करते हुए खुश हैं और राष्ट्रमंडल के विभिन्न हिस्सों से खिलाड़ियों को एक साथ लाने वाले इस आयोजन का समर्थन करके प्रसन्न हैं।

खाना बनाते समय आग में झुलसने से महिला की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला के सनौठ गांव में महिला की आग में झुलसने से मौत हो गई। पुलिस शव को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पति नीरज के मुताबिक, घटना मंगलवार रात लगभग 8:15 बजे की है। उस समय वह काम पर गए हुए थे और मंजू घर में खाना बना रही थीं। खाना बनाने के दौरान चूल्हे या गैस पाइप से अचानक आग लग गई और देखते ही देखते मंजू के कपड़ों में आग फैल गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के समय मृतका की छोटी बेटी घर के बाहर मौजूद थी। जैसे ही उसने घर के अंदर मां को जलते देखा, उसने पड़ोसियों को चिल्लाकर घटना की जानकारी दी। आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और आग बुझाने व महिला को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद पति को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल में भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न एंगल से जांच शुरू कर दी है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही रास्ता : भारत

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को ही आगे बढ़ने का रास्ता बताया। भारत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार लड़ाई खत्म करने की वकालत करते रहे हैं और स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। नई दिल्ली में आयोजित साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही आगे का रास्ता है। प्रधानमंत्री कई बार कह चुके हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है और किसी भी समाधान का रास्ता युद्ध के मैदान से नहीं निकलता।' उन्होंने कहा कि बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा था कि अब समय आ गया है कि अंतहीन युद्ध समाप्त हो और शांति का रास्ता अपनाया जाए। रणधीर जायसवाल ने बताया कि शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों पक्षों के साथ लगातार संवाद बनाए रखा है। भारत के इन प्रयासों की रूस और यूक्रेन दोनों ने सराहना की है।

पिंक पास को लेकर सौरभ भारद्वाज बोले- जनता को परेशान करना इनकी आदत

नई दिल्ली। दिल्ली की बसों में महिलाओं के मुफ्त सफर के लिए पिंक पास को अनिवार्य किए जाने के बाद आम आदमी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पिंक पास बनवाने के लिए महिलाओं को घंटों लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। उनका दावा है कि दिनभर लाइन में लगने के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाओं के पास नहीं बन पा रहे हैं, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जनता को परेशान करना इस सरकार की आदत बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से आसानी से मिल रही सुविधाओं को भी जटिल बना दिया गया है और आम लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सड़कों पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हर आसान काम और पहले से चल रही सुविधा के लिए लोगों को लाइनों में खड़ा कर दिया है। उन्होंने नोटबंदी, एसआईआर और पिंक पास के साथ-साथ एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी परेशानियों का भी उल्लेख किया। उनका आरोप है कि लोगों को इतना परेशान कर दिया जाए कि वे सरकार से किसी नई सुविधा की मांग ही न करें और अपनी रोजमर्रा की परेशानियों में उलझे रहें।

जेवर में हत्यारे का मर्डर

जेवर। जेवर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर कस्बे में रात एक युवक की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जहांगीरपुर निवासी इमरान के रूप में हुई है। रात उस पर जानलेवा हमला हुआ था। आनन-फानन में उसे जेवर स्थित कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इमरान वर्ष 2021 में हत्या के एक मामले में जेल जा चुका था। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक इतिहास और विवादों की पड़ताल कर रही है।

'दृष्टि' परियोजना के लिए 65 करोड़ रुपये स्वीकृति

जेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्ति अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन को अब नई गति मिलेगी। केंद्र सरकार ने दिल्ली में 'दृष्टि' (दिल्ली रेवेन्यू ऐंड इमेजिंग सर्वे, स्पेशियल टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव) के तहत आधुनिक जियोस्पेशियल/जीआईएस सर्वे और मैपिंग व्यवस्था विकसित करने के लिए 65 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इसके अंतर्गत सभी 13 जिलों में पीएम-उदय सेल और मुख्यालय शाखा की स्थापना की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि आधुनिक तकनीक पर आधारित 'दृष्टि' परियोजना से संपत्तियों के सर्वे और मैपिंग का काम अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से हो सकेगा। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 65 करोड़ रुपये है। इसमें 52 करोड़ रुपये यानी 80 प्रतिशत राशि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के शहरी



विकास निधि (यूडीएफ) से अनुदान के रूप में मिलेगी, जबकि शेष 13 करोड़ रुपये यानी 20 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना को लागू करने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दृष्टि' परियोजना के माध्यम से पीएम-उदय योजना के लिए जियोस्पेशियल और जीआईएस आधारित सर्वे की आधुनिक व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके साथ दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम-उदय सेल तथा मुख्यालय में एक शाखा स्थापित की जाएगी। इससे योजना के तहत संपत्तियों से संबंधित सर्वे, मैपिंग और दस्तावेजी प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम-उदय योजना का उद्देश्य राजधानी की अधिसूचित अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को स्वामित्व का अधिकार प्रदान करना है। इसकी जिम्मेदारी डीडीए, दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग व दिल्ली नगर निगम का सौंपी गई है। इस परियोजना से संपत्ति के स्वामित्व, हस्तांतरण और उससे जुड़े अन्य अधिकारों का लाभ तेजी से मिलेगा। शहरी विकास निधि से मिलने वाली 52 करोड़ रुपये की राशि चार किस्तों में जारी की जाएगी। यदि खरीद जीईएम के माध्यम से की जाती है तो निर्धारित शर्तों के तहत पूरी स्वीकृत राशि एक ही किस्त में जारी की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम-उदय योजना केवल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लाखों परिवारों को उनके घर और संपत्ति से जुड़े अधिकारों की कानूनी सुरक्षा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक पर आधारित 'दृष्टि' परियोजना से संपत्तियों के सर्वे और मैपिंग का काम अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से हो सकेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा व अन्य ने दी खंडेलवाल को जन्मदिन की बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के मंत्रियों और विधानसभा अध्यक्ष ने चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल को जन्मदिन की बधाई दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज एक्स पोस्ट पर प्रभु श्रीराम से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्रहित, दिल्ली के विकास और जनकल्याण के प्रति उनका सेवाभाव निरंतर इसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ता रहे।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी प्रवीण खंडेलवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना की। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सांसद को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके सरल स्वभाव, कर्मठता और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने वाहेगुरु जी से प्रवीण खंडेलवाल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की अरदास की तथा निरंतर जनसेवा करते रहने की कामना की। लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश



साहिब सिंह, शिक्षा मंत्री आशीष सूद और स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी चांदनी चौक सांसद को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

'थप्पड़' मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार और मंत्री प्रवेश वर्मा को जारी किया नोटिस

पीड़ित की ओर से पुलिस प्रोटेक्शन की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट मे अर्जी दाखिल की गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा की ओर से कथित तौर पर एक शख्स को थप्पड़ मारे जाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने पीड़ित को पुलिस सुरक्षा दिए जाने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली सरकार और मंत्री प्रवेश वर्मा को नोटिस जारी किया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट भी मांगी है। पीड़ित की ओर से पुलिस प्रोटेक्शन की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट मे अर्जी दाखिल की गई है। जिस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और मंत्री को नोटिस जारी किया है। 27 सितंबर को दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जरनैल सिंह के साथ काम करने वाले साहिब सिंह ने थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। साहिब सिंह ने दावा किया था कि निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें थप्पड़ मारा। साहिब सिंह ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी।

थप्पड़ मारने के आरोप के मामले में प्रवेश वर्मा की ओर से 27 सितंबर को ही सफाई सामने आई थी। प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म पर करीब तीन मिनट का एक वीडियो पोस्ट कर पूरे घटनाक्रम को लेकर अपना पक्ष रखा था। वीडियो में उन्होंने घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सफाई देते हुए कहा था कि उनके परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। परिवार को गाली दिए जाने के बाद प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। प्रवेश वर्मा ने आगे कहा था, 'मैं आम आदमी पार्टी से कहना चाहता हूं कि आप जो काम नहीं कर पाए, हमारी सरकार कर रही है। इसीलिए पेट में दर्द हो रहा है। सरकारी कार्यों में जो बाधा डालेगा, जो सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाएंगे, कमीशन मांगेंगे तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ' बातचीत में साहिब सिंह ने घटना के बारे में बताया था कि वह आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह के साथ समन्वय का काम करता है और उनके सोशल मीडिया अकाउंट को देखता है। साहिब सिंह के मुताबिक, मंत्री प्रवेश वर्मा इलाके में निरीक्षण के लिए आए थे। जब उसे जानकारी मिली कि मंत्री इलाके में निरीक्षण के लिए आ रहे हैं, तो उसने सड़क की स्थिति दिखाने के लिए वहां मौजूद लोगों के साथ सड़क की खराब हालत उन्हें दिखाई। साहिब सिंह के अनुसार, उस समय वह विधायक जरनैल सिंह के पेज पर घटना की लाइव स्ट्रीमिंग कर रहा था।

साहिब सिंह की ओर से आरोप लगाया गया था कि चल रही लाइव स्ट्रीम को रोकने के लिए प्रवेश वर्मा ने मेरे हाथ से फोन छीन लिया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर हाथ उठाया और मुझे थप्पड़ मारा। उनके सुरक्षाकर्मियों ने भी मुझे धक्का दिया और मेरे साथ मारपीट की।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर भेदभाव के आरोप बेबुनियाद, भारत का फ्रेमवर्क निष्पक्ष : संचार मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सर्कुलेट हो रही है, जिसमें भारत के सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क की निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया है और कहा जा रहा है कि इसे भेदभावपूर्ण तरीके से लागू किया जा रहा है। इस पर भारत सरकार के संचार मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की है।

संचार मंत्रालय ने कहा है कि उसने सभी टेलीकॉम सेवाओं के लिए, जिसमें सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं भी शामिल हैं, एक निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क बनाया है। इसी फ्रेमवर्क के तहत, भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं शुरू करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, सरकार ने तीन ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) सर्विसेज को टेलीकॉम लाइसेंस दिए हैं। ये लाइसेंस नॉन-जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट ऑर्बिट बेस्ड सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर आधारित हैं। लाइसेंस की शर्तों के अनुसार, हर लाइसेंस धारक को सुरक्षा शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दी जाने वाली सेवाएं सभी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करें, ताकि सभी यूजर्स और उनके डेटा की सुरक्षा बनी रहे। संचार मंत्रालय ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत सुरक्षा मूल्यांकन फिलहाल तीनों लाइसेंस धारकों के लिए चल रहा है। जैसे ही किसी लाइसेंस प्राप्त कंपनी के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, वह स्पेक्ट्रम के आवंटन के अगले चरण की ओर बढ़ सकती है। फिलहाल तीनों कंपनियां मोटे तौर पर एक ही रेगुलेटरी स्टेज पर हैं। ऐसे में यह कहना कि फ्रेमवर्क या उसका लागू किया जाना अनुचित या भेदभावपूर्ण है, पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत धारणा पर आधारित है। बता दें कि मिनिस्ट्री का यह बयान स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के एक पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी स्टारलिंक के भारत प्लान को 'कुछ अमीर लोग' रोक रहे हैं।

स्टारलिंक अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स द्वारा चलाई जाने वाली एक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है। इसके मालिक एलन मस्क हैं। परंपरागत सैटेलाइट इंटरनेट बहुत ऊंचाई पर होते हैं, लेकिन स्टारलिंक के हजारों छोटे सैटेलाइट पृथ्वी से काफी कम ऊंचाई (करीब 500-550 किमी) पर चक्कर लगाते हैं। कम ऊंचाई पर होने के कारण डेटा तेजी से ट्रांसफर होता है और इंटरनेट की स्पीड अच्छी मिलती है।

सभी विपक्षी दल वोट चोरी, एसआईआर और परिसीमन के खिलाफ एकजुट हैं: जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित इंडिया जनबंधन पार्टी के नेताओं की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित किया। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आज दोपहर के भोजन के लिए अखिल भारतीय जनबंधन पार्टियों को आमंत्रित किया गया था। लेकिन दोपहर के भोजन का निर्णय कल देर रात लिया गया और सूचित किया गया। इसलिए यह स्वाभाविक था कि कुछ दलों का प्रतिनिधित्व नहीं हो सका। इस पर मीडिया के कुछ वर्गों में अनावश्यक टिप्पणी हो रही है। इंडिया गठबंधन और अन्य विपक्षी दल एकजुट हैं और वोट चोरी, एसआईआर और परिसीमन के खिलाफ एकजुटता से खड़े हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारी इंडिया गठबंधन की मीटिंग हो गई, जिसमें 23 पार्टियां शामिल हुई थीं। सभी ने अपनी-अपनी राय दी और उसके बाद हमने पांच प्वाइंटर पर आज सहमति जताई है और इन मुद्दों पर हम डटकर काम करेंगे, लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह सहमति



बनी कि मतदाता सूची में हेरफेर तथा चुनाव की निष्पक्षता पर उठे गंभीर प्रश्नों के संबंध में भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र भेजा जाएगा। यह पत्र शीघ्र ही उन्हें सौंपा जाएगा। लाखों विद्यार्थियों को प्रभावित करने वाले अनेक गंभीर मुद्दों की स्थिति को देखते हुए यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की हम मांग कर रहे हैं, और उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। क्योंकि उनके कार्यकाल में नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में शामिल लाखों युवकों के साथ विश्वासघात हुआ है। आज लाखों युवा रास्ते पर खड़े हुए हैं।

खड़गे ने कहा कि वर्तमान गंभीर आर्थिक स्थिति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, एट्रोसिटी और किसानों के मुद्दों को हम उठाते रहेंगे और जन सरोकारों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी हमने चर्चा की है। उस पर केंद्र सरकार को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए, और सर्वदलीय बैठक अगर बुलाएंगे तो इन सारे मुद्दों को हम उनके सामने रखेंगे। यह सहमति बनी कि इंडिया गठबंधन के सभी दल प्रत्येक दो माह में बैठक करेंगे। अगली बैठक अगस्त माह में हैदराबाद में आयोजित की जाएगी।

आआपा ने मतदाता सूची से नाम हटाने के विरोध में किया प्रदर्शन

10 अक्टूबर को देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने कश्मीरी गेट स्थित दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 10 अक्टूबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसका मुख्य केंद्र जंतर-मंतर रहेगा। उन्होंने दावा किया कि इस आंदोलन का आह्वान 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने किया है और आआपा इस आह्वान का समर्थन कर रही है। उनके मुताबिक, वामपंथी दलों, छात्र संगठनों तथा कई अन्य छोटे-बड़े संगठन भी आंदोलन के समर्थन में हैं। बुराड़ी से आआपा विधायक



संजीव झा ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है।

संजीव झा ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कथित तौर पर वोटों की चोरी के जरिए सरकारें बनाई गईं और चुनावी अनियमितताओं के माध्यम से सत्ता में आए लोगों ने गैर-कानूनी सरकारें बनाई हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें देश को गुमराह करने के लिए जवाब देना चाहिए। आआपा विधायक ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने यह माना है कि उसकी अनुमति के बिना फॉर्म-6 में बदलाव किए गए। उन्होंने चुनाव आयोग से सवाल किया कि ऐसे बदलाव क्यों किए गए और क्या इसके पीछे किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने की कोशिश थी। प्रदर्शन के दौरान झा ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता भी इस मुद्दे पर आगे आ रहे हैं और विपक्षी दल चुनाव आयोग से मुलाकात करेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में हुए कथित बदलावों पर स्पष्टीकरण देने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कोर्ट में 'झूठ' बयान देने पर छह सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने छह सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक आईआरएस अधिकारी की बर्खास्तगी को चुनौती देने के प्रस्तावित मामले में प्रशासनिक मंत्रालय के साथ पत्राचार के संबंध में अदालत के समक्ष जानबूझकर झूठा बयान दिया था। न्यायमूर्ति मधु जैन की एकल पीठ ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल द्वारा दायर आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश पारित किया। अग्रवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें संबंधित सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ प्राप्त होने के चार सप्ताह के भीतर संबंधित क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट को भेजने का निर्देश दिया गया है। यह मामला भ्रष्टाचार



निवारण अधिनियम के तहत आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई द्वारा अग्रवाल के खिलाफ चलाए गए अभियोजन से संबंधित है। अभियोजन 26 नवंबर 2002 को पारित एक स्वीकृति आदेश पर आधारित था। जनवरी 2016 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंजूरी को अमान्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद विशेष न्यायालय ने विशेष न्यायाधीश को सुशील दीवान, विनीत विनायक, अमित कुमार, रमन त्यागी, प्रेम कुमार गौतम और मोहम्मद आजाद के खिलाफ आईपीसी की धारा 191 और धारा 193 तथा धारा 209 के तहत दंडनीय अपराधों के कथित कृत्य के लिए लिखित शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया। शिकायत को निर्णय न्यायाधीश ने मार्च 2016 में अग्रवाल को बरी कर दिया। इसके बाद सीबीआई ने सर्वोच्च न्यायालय में फैसले को चुनौती देने पर विचार किया। 8 जून 2016 को विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा दी गई कानूनी राय में कहा गया था कि इस मामले को उच्च न्यायालय में ले जाने का कोई उचित आधार नहीं है। यह राय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के माध्यम से 1 जुलाई, 2016 को सीबीआई को सूचित की गई थी। इसके बाद अग्रवाल ने जांच के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों को जारी करने की मांग की। ने 2 अगस्त, 2016 को दायर अपने जवाब में कुछ दस्तावेजों को जारी करने का विरोध करते हुए कहा कि 'इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय के साथ पत्राचार चल रहा है। ' इसके बाद विशेष न्यायाधीश ने सीबीआई को एक स्पष्ट जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

बारापुला फेज-3 की खामियों पर घिरी दिल्ली सरकार, प्रवेश वर्मा ने 'आप' को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में हाल ही में शुरू किए गए बारापुला फेज-3 कॉरिडोर पर यातायात जाम और धीमी रफ्तार को लेकर राजनीति तेज हो गई है। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने इसके लिए पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि परियोजना का डिजाइन और कई अहम फैसले आप सरकार के कार्यकाल में लिए गए थे। मौजूदा सरकार अब यातायात संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक उपायों पर काम कर रही है। पिछले महीने शुरू हुए बारापुला फेज-3 कॉरिडोर पर वाहनों की धीमी आवाजाही और जाम की स्थिति सामने आने के बाद दिल्ली यातायात पुलिस ने भी पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखकर कई खामियों की ओर ध्यान दिलाया है। पुलिस ने यातायात प्रवाह बेहतर करने के लिए कॉरिडोर में कुछ बदलाव सुझाए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवेश वर्मा ने कहा कि सरकार ने उद्घाटन के अगले ही दिन से कॉरिडोर पर यातायात की स्थिति का संज्ञान लिया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल उठाए, लेकिन यह नहीं बताया कि कॉरिडोर का डिजाइन आप सरकार के कार्यकाल में ही मंजूर हुआ था।उन्होंने कहा, 'आम आदमी पार्टी झूठ को सच साबित करने में माहिर है। झूठ को सच के तौर पर पेश करने में उनका कोई मुकाबला नहीं है। ' वर्मा ने दावा किया कि बारापुला फेज-3 परियोजना 2015 में शुरू हुई थी और इसका डिजाइन 2014-15 में ही मंजूर कर लिया गया था। उस समय दिल्ली में आप की सरकार थी। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर में कितनी लेन होंगी और डिजाइन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी उसी दौरान लिए गए थे। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के फरवरी 2025 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने बारापुला फ्लाईओवर का निरीक्षण किया था।